छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 280 ■ अम्बिकापुर, रविवार 02 नवम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

अगले 25 साल के नए युग का सूर्योदय हो रहा है-नरेन्द्र मोदी

छ.ग.फ्रंटलाइन रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छत्तीसगढ़ राज्य के गठन होने के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित रजत जयंती महोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन किए। उन्होंने सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ी 14,260 करोड़ रुपये से अधिक की विकासात्मक और परिवर्तनकारी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मोदी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के 5 हितग्राहियों को चाबियां सौंपी। छत्तीसगढ़ी में भाषण की शुरुआत करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जम्मो भाई-बहनी, लइका, सियान मन ल हाथ जोड़ के जय जोहर। उन्होंने आगे कहा कि 25 साल की यात्रा हमने पूरी की है। 25

साल का कालखंड पूरा हुआ है। आज अगले 25 साल के नए युग का सूर्योदय हो रहा है। उन्होंने कहा कि मैंने भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य गठन से पहले का दौर भी देखा है। बीते 25 साल में सफर का साक्षी भी रहा हूं। इसलिए इस गौरवशाली पल का हिस्सा बनना मेरे लिए भी अद्भुत अनुभूति है। कुछ लोग संविधान की किताब हाथ में रखकर दिखावा करते हैं। सामाजिक न्याय के नाम पर घड़ियाली आंसू बहाते हैं। उन्होंने दशकों तक आपके साथ अन्याय किया। मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने गरीब की दवाई, गरीब की कमाई, गरीब की पढ़ाई, गरीब की सिंचाई सुविधा पर बहुत फोकस किया। आज छत्तीसगढ़ को भी लोकतंत्र का नया मंदिर, नई विधानसभा मिल रही है। यहां आने से पहले मुझे एक जनजातीय संग्रहालय को देने का अवसर मिला। नए विधानसभा उद्घाटन के दौरान कहा कि 75 साल पहले देश ने संविधान को अपनाया था। इस अवसर पर उन्होंने संविधान निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले रविशंकर शुक्ल, बैरिस्टर छेदीलाल, किशोरी मोहन त्रिपाठी, रामप्रसाद पोटाय और रघुराज को श्रद्धांजलि दी और संत गुरु घासीदास को भी याद किया।

अमित जोगी हाउस अरेस्ट, आरक्षक की मौत

विधानसभा परिसर में प्रवेश के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सख्त रही। यहां नेताओं और आम लोगों को गमछा लेकर जाने की अनुमति नहीं दी गई। वहीं रायपुर में प्रधानमंत्री की सुरक्षा ड्यूटी में तैनात आरक्षक की मौत हो गई। इसके अलावा काले कपड़े पहनने पर अमित जोगी को हाउस अरेस्ट किया गया।

प्रधानमंत्री ने बच्चे को गले लगाया

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने नवा रायपुर स्थित सत्य साईं संजीवनी हॉस्पिटल पहुंचकर उन 2,500 बच्चों से मुलाकात की, जिनकी हृदय सर्जरी इस संस्थान में नि:शुल्क हुई थी। उन्होंने एक बच्चे को गले लगाया। साथ ही उन्होंने पद्म विभूषण तीजन बाई और लेखक पद्म भूषण विनोद कुमार शुक्ल का हालचाल जाना।

आंखों से सूरज को चुनौती देते हैं अंबिकापुर के लाल विजय, बिना पलक झपकाए देखते हैं 10 मिनट

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड के लिए भेजा नाम, संस्था की ओर से भी मिला रिस्पांस

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मानव शरीर असीमित शक्तियों से परिपूर्ण है। इन शक्तियों को जिसने पहचान लिया, वह विश्व पटल पर अपनी छाप छोडऩे में सफल रहता है। ऐसी ही विलक्षण शक्ति अंबिकापुर निवासी लाल विजय श्रीवास्तव में है, जो खुली आंखों से बिना पलक झपकाए कई मिनट तक आग उगलते सूरज को देख सकते हैं। अब तक वे लगातार 10 मिनट से भी अधिक समय तक सूरज को देख चुके हैं। यह शक्ति उन्होंने वर्षों की नियमित साधना व एकाग्रता से प्राप्त की है। उन्होंने अब विश्व रिकॉर्ड बनाने का दावा किया है। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड की ओर से उनसे जल्द संपर्क करने मैसेज का मैसेज आया है।

अंबिकापुर के मनेंद्रगढ़ रोड से लगे किसान राइस मिल रोड निवासी 48 वर्षीय लाल विजय श्रीवास्तव एक शैक्षणिक संस्था का संचालन करते हैं। उन्होंने वर्षों की नियमित साधना व एकाग्रता से अपने शरीर में ऐसी शक्ति विकसित कर ली है कि आज वे खुली आंखों से सूरज से एकटक नजरें मिलाते हैं। जहां आम इंसान 1 से 2 सेकेंड भी सूर्य को नहीं देख पाता, पल भर में उसकी आंखें चौंधियां जाती हैं, लेकिन लाल विजय 10 मिनट से भी अधिक समय तक बिना पलक झपकाए सूर्य को देखने की क्षमता रखते हैं। उन्हें ऐसा करते देख लोग अचंभित हो जाते हैं। लोग कहते हैं कि एक आम इंसान ऐसा कैसे कर सकता है।

विश्व रिकॉर्ड बनाने का किया दावा

लाल विजय श्रीवास्तव अपनी इस प्रतिभा को अब दुनिया के सामने लाना चाहते हैं। उनका कहना है कि वे कई मिनट तक सूर्य को देख सकते हैं। उन्होंने सूर्य देखने का विश्व रिकॉर्ड बनाने का दावा भी किया है। उन्होंने इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड को मेल भेजा, जिसका जवाब संस्था की ओर से दिया गया है। उन्होंने लाल विजय श्रीवास्तव को कागजी प्रक्रिया पूरा करने कहा है। लाल विजय ने भी स्थानीय प्रशासन से संपर्क साधने का प्रयास शुरु कर दिया है।

'मानव शरीर में है अपार शक्ति'

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन से चर्चा के दौरान लाल विजय श्रीवास्तव ने बताया कि एकटक सूरज को देखने की क्षमता उन्होंने वर्षों की साधना व एकाग्रता से प्राप्त की है। उनका उद्देश्य इस विशेष प्रतिभा के माध्यम से समाज को यह संदेश देना है कि मानव शरीर व मन में अपार शक्ति निहित है, बस उसे पहचानने की जरूरत है। उनका कहना है कि वे दोपहर में किसी भी समय सूरज को देख सकते हैं, लेकिन सुबह 10-11 बजे के बीच वे ज्यादातर समय देखते हैं। उनका कहना है कि इस समय में सूर्य का तेज काफी अधिक होता है। उन्होंने बताया कि वे बिना पलक झपकाए किसी से भी घंटों नजरें मिला सकते हैं।

नेत्र रोग विशेषज्ञ का है ये कहना

नेत्र रोग विशेषज्ञ सर्जन डॉ. अजय गुप्ता का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति लगातार सूर्य को देखता है तो उसे सोलर रेटिनोपैथी बीमारी हो सकती है। इससे उक्त व्यक्ति की आंखों का विजन कम हो जाएगा। सूर्य ग्रहण के समय सूर्य को देखना ज्यादा खतरनाक होता है। खुली आंखों से सूर्य को देखने से बचने की सलाह उन्होंने दी है।

राज्योत्सव का जिला स्तरीय शुभारंभ आज, कृषि मंत्री रामविचार नेताम होंगे मुख्य अतिथि

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एक नवंबर के उपलक्ष्य में जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय समारोह की शुरुआत रविवार 02 नवम्बर को होगी। कार्यक्रम का आयोजन कला केंद्र मैदान में होगा। राज्योत्सव समारोह का शुभारंभ शाम 5.30 बजे से किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग मंत्री रामविचार नेताम होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण योजना आर्थिक एवं

सांख्यिकी विभाग एवं प्रभारी मंत्री सरगुजा ओपी चौधरी तथा पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल करेंगे। विशिष्ट अतिथि सांसद संसदीय क्षेत्र सरगुजा चिंतामणी महाराज, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव, राज्य युवा आयोग अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, महापौर नगर पालिक निगम मंजूषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष निरुपा सिंह, सभापति नगर पालिक निगम हरमिंदर सिंह टिन्नी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव होंगे। इस दौरान राज्य के 25 वर्षों की विकास यात्रा पर आधारित विभिन्न विभागों की प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। विद्यालयीन, महाविद्यालयीन छात्र- छात्राओं के साथ ही स्थानीय एवं आमंत्रित कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएगी।

मोबाइल बना फसाद का जड़, पुत्र ने मां से की मारपीट

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दादी से 40 हजार रुपये लेकर मोबाइल लिए लड़के के द्वारा पढ़ाई पर ध्यान नहीं देने से क्षुब्ध पिता ने अपनी मां से विवाद करते हुए बांस के डंडे से पिटाई कर दी। दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम मोतीपुर माझापारा की केन्दी बाई ने पुलिस को बताया है कि उसका पोता अरूण करीब दो माह पूर्व 40 हजार रुपये मांगा था, जिस पर वह उसे रुपये दे दी थी। रुपये मिलने पर वह मोबाइल फोन खरीदा था और बाकी रुपये खाने-पीने में खर्च कर दिया था। 31 अक्टूबर को सुबह 9 बजे अरूण को मोबाइल में रमे देखकर पिता रवि गुस्से में अपनी मां के पास गया और लड़के को रुपये देकर मोबाइल खरीदवाने की बात कहते हुए विवाद करने लगा। उसका कहना था कि मोबाइल मिलने के बाद से वह दिन-रात पढ़ाई-लिखाई करना छोड़ दिया है। जब वह बोली कि मैं पढ़ाई नहीं छोड़वाई हूं, तो रवि सिंह अपनी मां से गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर बांस के डंडे से सिर में वार कर दिया, जिससे वह जख्मी हो गई। मारपीट करते आसपास के लोगों ने देखा और बीच-बचाव किए। पुलिस ने मां की रिपोर्ट पर बेटे के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

छठ घाट से सोने का चेन लाकेट के साथ पार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छठ घाट गई व्रती महिला के गले से सोने का चेन अज्ञात लोगों ने पार कर दिया। झारखंड के हजारीबाग थाना अंतर्गत ग्राम कोर्रा निवासी रागिनी सोनी ने मणीपुर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 17 अक्टूबर को वह हजारीबाग से अपने पति विनय कुमार सोनी के साथ मायका केदारपुर अंबिकापुर छठ पर्व मनाने के लिए आई थी। 28 अक्टूबर को सुबह 5 बजे के लगभग वह अपनी मां देवंती सोनी एवं भाई विजय सोनी के साथ खर्रा नदी छठ घाट पुलिया के पास गई थी। एक नंबर घाट में करीब 7 बजे सुबह वह अपनी मां के साथ खर्रा नदी में नहाकर सूर्य भगवान को अर्घ्य देने के बाद वापस घाट में आ रही थी, इस दौरान रास्ते में काफी भीड़-भाड़ था। घाट पर आने के बाद देखी तो उसके गले में सोने का चेन एवं लॉकेट नहीं था। पुलिस केस दर्ज करके मामले में अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

हाईकोर्ट के न्यायाधीश पहुंचे अंबिकापुर, अधिवक्ता संघ ने सौंपा ज्ञापन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं पोर्टफोलियो न्यायमुर्ति नरेन्द्र कुमार व्यास का आगमन अंबिकापुर हुआ। इस दौरान जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार सोनी के नेतृतव में एक प्रतिनिधि मंडल स्थानीय सर्किट हाउस में मुलाकात करके उन्हें ज्ञापन सौंपा। अधिवक्ता संघ ने अपने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि ग्राम चठिरमा में नवीन न्यायालय भवन का निर्माण न करते हुए वर्तमान में संचालित न्यायालय परिसर में ही स्वीकृत नक्शा के अनुरुप भवन का निर्माण कराया जाए। यह भी उल्लेख है कि न्यायालय भवन के स्थानांतरण की खबर से संपूर्ण अधिवक्ता एवं आम जनमानस आहत है। न्यायमूर्ति ने अधिवक्ता संघ की बातों को गंभीरतापूर्वक सुनने के उपरान्त यह आश्वासन दिया है कि एक माह के भीतर यदि गुलाब कॉलोनी का आधिपत्य आम हो जाता है तो ऐसी स्थिति में नवीन न्यायालय भवन का निर्माण तत्काल प्रभाव से वर्तमान संचालित स्थल पर ही प्रारंभ करा दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में 22 वर्ष बाद फर्जी मतदाताओं की पहचान के लिए एसआईआर

परिगणना फार्म भरकर जमा नहीं करने पर नई मतदाता सूची से विलोपित होगा नाम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के द्वारा मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दूसरे चरण की घोषणा की गई है, इसके तहत छत्तीसगढ़ सहित 12 राज्यों में मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण निर्धारित की गई तिथियों में किया जाना है। सभी मतदाताओं को अपना परिगणना फार्म भरकर बीएलओ या बीएलए के पास जमा करना होगा। फार्म जमा नहीं कराने की स्थिति में संबंधित मतदाता का नाम मतदाता सूची से विलुप्त हो जाएगा।

अपर कलेक्टर सुनील नायक ने कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य (एसआईआर) का मकसद भारत में रहने वाले लोगों की नागरिकता का परीक्षण और मृत या बाहर स्थायी रूप से शिफ्ट हो चुके लोगों को चिन्हांकित करना, किसी मतदाता का दो स्थानों पर पंजीकरण हो तो उसे निरस्त करना और फर्जी मतदाताओं का नाम हटाकर शुद्ध, स्वच्छ, एवं पारदर्शी मतदाता सूची का निर्माण करना है। उन्होंने बताया कि मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण का कार्य वर्ष 1951 से 2003-04 के बीच 8 बार हो चुका है। छत्तीसगढ़ में एसआईआर वर्ष 2003 से नहीं हुआ है। प्रदेश में 22 वर्ष बाद मतदाता सूचियों

मतदाताओं के केटेगरी का निर्धारण

अपर कलेक्टर ने बताया सरगुजा जिले के मतदाता मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के वेबसाइट से 2003 के मतदाता सूची का अवलोकन कर सकते हैं। अगर मतदाता के माता या पिता का नाम 2003 के वोटर लिस्ट में दर्ज है, तो मतदाता को कोई भी अन्य पहचान का दस्तावेज नहीं देना होगा। ऐसे मतदाता को केवल स्वयं के गणना पत्रक के साथ-साथ मतदाता सूची के 2003 के संबंधित पृष्ठ की प्रति गणना प्रपत्र के साथ उपलब्ध करानी होगी। अगर मतदाता के माता-पिता का नाम 2003 के वोटर लिस्ट में दर्ज नहीं है, तो केटेगरी के अनुसार निर्धारित दस्तावेजों को प्रस्तुत करना होगा। ऐसे मतदाता जिनका नाम वर्ष 2003 के मतदाता सूची में नहीं है, जिनका जन्म 01 जुलाई 1987 से 02 दिसम्बर 2004 के मध्य हुआ है, वे गणना प्रपत्र के साथ स्वयं का दस्तावेज और माता-पिता दोनों में से किसी एक का दस्तावेज प्रस्तुत करेंगे। ऐसे मतदाता जिनका जन्म 02 दिसम्बर 2004 के बाद हुआ है, उन्हें गणना प्रपत्र के साथ स्वयं का दस्तावेज और पिता-माता दोनों का दस्तावेज देना होगा। ऐसे मतदाता जो निर्धारित जनरल, केटेगरी ए, बी, सी में नहीं आते हैं, उन्हें निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा सुनवाई हेतु नोटिस जारी करेगा।

बिहार में हुए एसआईआर की कॉपी और आधार कार्ड मान्य

अपर कलेक्टर ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने वर्ष 2003 के मतदाता सूची में नाम नहीं होने की स्थिति में 13 प्रकार के दस्तावेजों को सूचीबद्ध किया है। निर्धारित किए गए दस्तावेजों को अनिवार्य रूप से गणना पत्रक के साथ संलग्न करना होगा। इसमें आधार कार्ड और बिहार में हुए एसआईआर की कॉपी भी शामिल है। अगर किसी के माता-पिता बिहार में रहते हैं, तो वे अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने बताया मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण दौरान अगर कोई भारत के बाहर का नागरिक सामने आता है, तो उसे भारत की नागरिकता प्राप्त करने का प्रमाण उपलब्ध कराना होगा। उन्होंने बताया वर्ष 1987 से पहले जन्म के आधार पर नागरिकता का कांसेप्ट था। भारत सरकार ने 01 जुलाई 1987 को इसमें संशोधन किया और माता-पिता में किसी एक का भारत का निवासी होना अनिवार्य किया। पुन: 21 दिसम्बर 2004 को इसमें संशोधन किया गया, जिसके आधार पर माता-पिता दोनों की नागरिकता भारत की होनी चाहिए, तभी संबंधित मतदाता को भारतीय नागरिक माना जाएगा।

28 अक्टूबर 2025 की स्थिति में मतदाता

28 अक्टूबर 2025 की स्थिति में सरगुजा जिले में मतदाताओं की संख्या 6 लाख 80 हजार 486 है, इनमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 3,35,376 व महिला मतदाता 3,45,092 व थर्ड जेंडर की संख्या 18 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 09 लुण्ड्रा में कुल 202085 मतदाता हैं, जिसमें से पुरुष 1,00,139, महिला 101942 एवं थर्ड जेंडर मतदाता 4 हैं। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 10 अंबिकापुर में कुल मतदाता 2,64,890 हैं, जिसमें से पुरुष 1,30,447, महिला 1,34,431 एवं थर्ड जेंडर 12 मतदाता हैं। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 11 सीतापुर में कुल 2,06,959 मतदाता हैं, जिसमें से पुरुष 1,01,567, महिला 1,05,390 एवं थर्ड जेंडर 2 मतदाता हैं। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 5 भटगांव में कुल 6,552 मतदाता हैं, जिसमें से पुरुष 3,223, महिला 3,329 हैं।

का पुनरीक्षण का कार्य 3 चरणों में संपन्न होगा। बूथ लेवल के अधिकारियों द्वारा वर्ष 2003 की मतदाता सूची और वर्तमान मतदाता सूची का टेबल टॉप मिलान कार्य पूर्ण कर लिया गया है, सत्यापन का काम बीएलओ ऐप के माध्यम से किया जा रहा है। गणना प्रपत्र का मुद्रण, प्रशिक्षण 28 अक्टूबर से शुरू हो गया है, जो 3 नवंबर तक चलेगा। घर-घर गणना का चरण 4 नवंबर से 4 दिसम्बर 2025 तक, ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 9 दिसम्बर 2025 को होगा। दावा-आपत्ति की अवधि 9 दिसम्बर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक निर्धारित है। मतदाता सूची को लेकर सुनवाई और सत्यापन 9 दिसम्बर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक होगा, अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी 2026 तक किया जाएगा। अपर कलेक्टर ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के वेबसाइट में देशभर के मतदाताओं का डाटा उपलब्ध है। भारत में रहने वाले मतदाता जो किसी कारणवश अंबिकापुर से नाता तोड़ चुके हैं, या दूसरे प्रदेश में रहने के कारण उनका नाम गृहनगर में नहीं जुड़ा है, वे आवश्यक दस्तावेजों की उपलब्धता सुनिश्चित करके नाम हटवा, जुड़वा सकते हैं। इस दौरान तहसीलदार उमेश्वर सिंह बाज भी उपस्थित थे।

हाईस्कूल मैदान में 3 नवम्बर को रोजगार मेला का आयोजन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले तीन दिवसीय राज्योत्सव में 03 नवम्बर 2025 को प्रात: 11 बजे हाई स्कूल ग्राउंड बलरामपुर में रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है।

रोजगार मेला में शिक्षित बेरोजगार युवाओं को प्रतिष्ठित संस्थान एस.बी.आई. लाइफ इंश्योरेंस, इंफोटेक इंडिया प्रा.लि. रायपुर, महावीर ट्रैक्टर बलरामपुर, एस.आई.एस. सिक्योरिटी गार्ड, स्वतंत्र माइक्रोफिन प्रा.लि. द्वारा विभिन्न पदों पर चयन कर रोजगार प्रदान किया जायेगा। जिसमें लाईफ मित्र, सेल्स एग्जीक्टिव, टीम मैनेजर, ग्राम पंचायत प्रोडक्ट एडवाइजर, सेल्स बॉय, सुरक्षा जवान, सुपरवाइजर, फील्ड ऑफिसर एवं कलेक्शन ऑफिसर सहित कुल 653 पदों पर भर्ती की जाएगी।

आवेदक इन सभी पदों के लिए ई-रोजगार पोर्टल एवं सीजी रोजगार एप के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के पश्चात आवेदक साक्षात्कार हेतु अपना संपूर्ण शैक्षणिक दस्तावेज के साथ निर्धारित स्थान एवं तिथि को उपस्थित होकर रोजगार प्राप्त सकते हैं।

इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र बलरामपुर व मोबाइल नम्बर 07831299158, 75877 20774 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने किया 3.51 लाख आवासों का वर्चुअल गृहप्रवेश

बलरामपुर जिले के 16 हजार से अधिक परिवारों ने पक्के घर में रखा पहला कदम

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस एवं रजत जयंती महोत्सव के ऐतिहासिक अवसर पर आज राजधानी रायपुर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत 3 लाख 51 हजार लाभार्थियों के पक्के घरों का सामूहिक गृहप्रवेश कराया। यह आनंद का क्षण है जब हजारों परिवारों ने अपने सपनों के घर में प्रवेश कर अपने पक्के घर का सपना साकार होते देखा। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में भी उत्सव जैसा माहौल है, जहां जिले के 16 हजार 760 हितग्राहियों को नए आवासों का सामूहिक गृहप्रवेश ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से संपन्न हुआ। ग्रामीणों ने अपने खुशी के इस अवसर को परिवार और पड़ोसियों के साथ साझा किया।

जिले के सभी विकासखंडों में हजारो परिवारों का सपना हुआ साकार

जिले के सभी विकासखंडों में सामूहिक गृहप्रवेश के कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसके अंतर्गत विकासखंड बलरामपुर में 2643 आवास, कुसमी में 2542 आवास, राजपुर में 2103 आवास, रामचंद्रपुर में 4084 आवास, शंकरगढ़ में 1706 आवास, तथा वाड्रफनगर में 3682 आवास लाभार्थियों का गृहप्रवेश कराया गया। इन सभी हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से चाबी सौंप खुशियां साझा की गई। जहां ग्राम पंचायत में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीण उत्सव के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए।

जनपद पंचायत वाड्रफनगर के ग्राम पंचायत सुलसुली में विकासखंड स्तरीय गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य, सरपंच एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 05 आवास हितग्राहियों को पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया गया और प्रतीकात्मक चाबी प्रदान कर उनका गृह प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर लाभार्थी रुकल ग्राम सुलसुली निवासी ने भावुक होकर कहा हम वर्षों से मिट्टी के घर में रह रहे थे। तब हमने बहुत परेशानी का सामना किया। आज प्रधानमंत्री आवास योजना की वजह से हमें पक्का घर मिला है, यह हमारे लिए उपहार है। इसके लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हैं, जिन्होंने हम गरीबों को अपना सपना समझ पूरा करने में मदद की। कार्यक्रमों में उत्साह देखने को मिला जहां नए घर की चाबी हाथ में आते ही अनेक जन भावविभोर हो गए।

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर मिला आवास का उपहार

राज्य स्थापना दिवस और रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर आयोजित यह गृहप्रवेश कार्यक्रम छत्तीसगढ़वासियों के लिए आवास पर्व साबित हुआ। राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने पर जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से लाखों हितग्राहियों को गृहप्रवेश कराया जहां हर गांव, हर घर में खुशियों की लहर है। जिले में भी आज का दिन ऐतिहासिक बन गया जब हजारों परिवारों ने अपने नए घर की चौखट पर कदम रखकर नए जीवन की शुरुआत की। यह बढ़ते विकास और नए भारत की झलक है। जहां शासन प्रशासन के प्रयासों से पात्र हितग्राहियों के पक्के आवास का सपना पूरा हो रहा है।

ग्राम गम्हरिया और विजयनगर में अवैध धान जब्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के विकासखंड रामचंद्रपुर में अनुविभागीय अधिकारी श्री आनंद राम नेताम के नेतृत्व में तहसील रामानुजगंज अंतर्गत ग्राम गम्हरिया में मुमताज अंसारी के घर में 240 बोरी व विजयनगर मुसब्बर के घर में 350 बोरी अवैध धान जप्त कर कार्यवाही की गई। इस दौरान तहसीलदार रामानुजगंज श्री मनोज पैकरा , रामचन्द्रपुर अश्विनी चंद्रा ,चौकी प्रभारी अश्विनी सिंह सहित राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम मौजूद रही।

ध्वजारोहण कर मनाया कोल इंडिया का स्थापना दिवस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर महाप्रबंधक कार्यालय प्रांगण में कोल इंडिया का 51 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह ने कोल इंडिया का ध्वज फहराया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह के अतिरिक्त क्षेत्रीय विक्रय प्रबंधक जी किशोर, एरिया सेफ्टी ऑफिस केएल भील क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी अमरेंद्र नारायण सहित क्षेत्रीय अधिकारी कर्मचारी व जेसीसी के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण से हुई जिसके बाद कोल इंडिया कार्पोरेट गीत बजाया गया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह ने कहा कि आज दोहरी खुशी का दिन है आज कोल इंडिया का स्थापना दिवस के साथ छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती वर्ष भी है। उन्होंने दोनों अवसरों को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि कोल इंडिया देश भर की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रतिबद्धता के

साथ जुटा हुआ है। इस कार्य में मेहनत कश मजदूरों की भूमिका भी बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि कोल इंडिया की सहायक कंपनी एसईसीएल कोयला उत्पादन के साथ स्थानीय लोगों की मूलभूत सुविधाओं को उन तक पहुंचाने सदैव प्रयासरत हैं, जो सीएसआर अभियान के तहत मदद पहुंचता है। उन्होंने क्षेत्र के अमेरा, आमगांव, गायत्री, केतकी खदानों से कोयला उत्पादन को तेज करने सामूहिक प्रयास पर बल देते हुए कहा कि इस वर्ष सामान्य वर्षों से अधिक बारिश बाधा के कारण क्षेत्र का कोयला उत्पादन पिछड़ा है, लेकिन हम सब मिलकर इसे ठीक कर लेंगे ऐसी आशा है। उन्होंने कहा कि आने वाला दिन क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है। अमेरा आमगांव खदान से कोयला निकालने अधिग्रहित की गई भूमि के स्वामियों को नौकरी व मुआवजा का प्रकरण तेजी से निपटारे पर उन्होंने बल देते हुए स्पष्ट किया कि जिनकी भूमि का मुआवजा और नौकरी के प्रकरण क्लियर होंगे हम उसी भूमि से ही कोयला निकालेंगे, इसके लिए ग्रामीण भू स्वामियों को किसी प्रकार की व्यर्थ की चिंता नहीं करनी चाहिए। कार्यक्रम को जेसीसी सदस्यों ने भी संबोधित कर अपनी बातों को रखा।

सीटू नेता देवेंद्र सोढ़ी समेत नौ कर्मी हुए सेवानिवृत्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र अंतर्गत अक्टूबर माह के अंतिम कार्यदिवस को एसईसीएल में कार्यरत सीटू नेता देवेंद्र सिंह सोढ़ी समेत नौ कर्मी सेवानिवृत्त हो गए हैं। जिन्हें यूनिट स्तर पर विदाई समारोह का आयोजन कर प्रबंधन द्वारा भावभीनी विदाई दी गई ।सेवानिवृत्त हुए कामगारों में रेहर खदान से कुंवर साय, रेवती राम, विश्वनाथ, शिव मनोरथ, गायत्री खदान से शंकु, देवेंद्र सिंह सोढ़ी, मनोज कुमार सिंह, दिलीप, एरिया हेड क्वार्टर से पंचानंद सिंह शामिल हैं। सभी सेवानिवृत्त कामगारों के सम्मान में प्रबंधन ने यूनिट स्तर पर विदाई समारोह का आयोजन कर सेवानिवृत्त कामगारों को सपरिवार विदाई समारोह में आमंत्रित कर उन्हें शाल श्रीफल सहित उनके सकल देयकों के भुगतान का पत्र, मेडिकल कार्ड सहित कंपनी से मिलने वाला उपहार सौंपा। इस दौरान प्रबंधन ने सभी कामगारों के सेवाकाल की सराहना कर उनके उज्ज्वल भविष्य और सुखद पारिवारिक जीवन की कामना की।

प्रधानमंत्री के हाथों सम्मानित हुए बलरामपुर के कृष्णा पहाड़ी कोरवा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राजधानी रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25वें वर्षगांठ पर आयोजित रजत जयंती समारोह का मंच उस समय तालियों से गूंज उठा, जब बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के ग्राम गोविंदपुर (सरगढ़ी) के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय के श्री कृष्णा पहाड़ी कोरवा को देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कर-कमलों से सम्मानित होने का अवसर प्राप्त हुआ।

कृष्णा और उनकी पत्नी दोनों दृष्टिबाधित हैं। जीवन की चुनौतियों और सीमित संसाधनों के बीच भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। वर्ष 2023-24 में उन्हें प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत पक्का मकान स्वीकृत हुआ। संकल्प और श्रम से उन्होंने उस आवास को स्वयं के प्रयासों से पूरा किया। आज वे अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ उसी घर में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन बिता रहे हैं। सम्मान प्राप्त करते समय कृष्णा पहाड़ी कोरवा के चेहरे पर गर्व और संतोष की आभा थी। मंच से उतरते हुए उन्होंने कहा हम दोनों की आंखें नहीं हैं, पर सपने हैं। प्रधानमंत्री जनमन योजना ने उन सपनों को घर का आकार दे दिया। अब हमारे बच्चों के सिर पर छत है और जीवन में आत्मविश्वास लौटा है। प्रधानमंत्री जी से सम्मान पाना मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उनकी यह कहानी बताती है कि जब शासन-प्रशासन की योजनाएँ हर पात्र व्यक्ति तक पहुँचती हैं, तो वे उनका जीवन बदल देती हैं।

राज्यपाल 03 को बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के प्रवास पर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका 03 नवम्बर को बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के प्रवास पर रहेंगे। प्रवास के दौरान राज्यपाल द्वारा संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में चल रही शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की जाएगी।

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत परियोजना स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला सम्पन्न

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह के मार्गदर्शन में जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा जनपद पंचायत के सभाकक्ष में बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत विवाह कार्य से संबंधित दुकानदारों, बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण में विवाह कार्य से संबंधित दुकानदारों, बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, सेक्टर पर्यवेक्षक, ग्राम पंचायत सचिव, जिला बाल सरक्षण इकाई/चाईल्ड हेल्प लाईन के अधिकारी/कर्मचारी एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा अन्य विभाग से संबंधित उपस्थित हुए।

प्रशिक्षण में जिला बाल संरक्षण अधिकारी के द्वारा बाल विवाह के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान किया गया। विवाह कार्य से संबंधित दुकानदारों (प्रिंटिग प्रेस, डीजे, फलैक्स प्रिंट्रिंग, मिठाई दुकान, ज्वेलरी शॉप, पंडित, प्रतिष्ठित व्यक्ति आदि) को विशेष जानकारी प्रदान करते हुए प्रेरित किया गया कि आपके पास विवाह संबंधी कोई परिवार विवाह व्यवस्था/सामग्री आदि कार्य हेतु सम्पर्क करते है तो आप भी अपने स्तर पर इस बात का परीक्षण कर ले कि होने वाले विवाह में वर-वधू का उम्र बाल विवाह की श्रेणी में न आता हो। आयु पूर्ण होने सबंधी सत्यापन उपरान्त ही कार्य की जिम्मेदारी लेने हेतु प्रेरित किया गया। वर्ष 2025-26 से 2028-29 तक के लिए बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने हेतु लक्ष्य निर्धारित करने का निर्देश जारी किया गया है। राज्य शासन द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधान अनुसार बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों की संख्या में वृद्धि कर जिला स्तर से ग्राम पंचायत स्तर तक बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी की अधिसूचना राज्य शासन द्वारा जारी की गई है। ग्राम पंचायत स्तर पर प्रत्येक ग्राम पंचायत सचिव को, सेक्टर स्तर पर सेक्टर पर्यवेक्षक महिला एवं बाल विकास विभाग, ब्लाक स्तर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी, जिला स्तर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी/जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारियों को बाल विवाह की प्रभावी रोकथाम हेतु बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी नियुक्त किया गया है। प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय को बाल विवाह मुक्त कर बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत व बाल विवाह मुक्त नगरीय निकाय का प्रमाण पत्र जारी किया जाना है। बाल विवाह के प्रभावी रोकथाम हेतु राज्य स्तर से प्राप्त सुझावों को अमल में लाते हुए बाल विवाह रोकथाम के संबंध में समस्त आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया गया। बाल विवाह रोकथाम की कार्यवाही हेतु विस्तृत निर्देश प्राप्त हुआ है। बाल विवाह केवल एक सामाजिक बुराई ही नहीं अपितु कानूनन अपराध भी है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत बाल विवाह करने वाले वर एवं वधु के माता-पिता, सगे संबंधी, बाराती यहां तक कि विवाह कराने वाले पुरोहित पर भी कानूनी कार्यवाही की जा सकती है। बाल विवाह के कारण बच्चों में कुपोषण, शिशु मृत्यु दर एवं मातृ मृत्यु दर के साथ घरेलू हिंसा में भी वृद्धि होती है। जिला प्रशासन ने आमजनों से अपील की है कि समाज में व्याप्त इस बुराई के पूर्णत: उन्मूलन हेतु जनप्रतिनिधियों, नगरीय निकाय/पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों, स्वयं सेवी संगठनों, महिला स्व सहायता समूहों, किशोर एवं किशोरी बालिकाओं तथा आमजनों से सहयोग प्राप्त कर इस प्रथा के उन्मूलन हेतु परिणाम मूलक कार्यवाही की जानी है।

15 नवम्बर से धान खरीदी होगी प्रारंभ, सीजन से पहले प्रशासनिक अमला का अलर्ट मोड

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए जिले में धान खरीदी प्रक्रिया 15 नवम्बर 2025 से प्रारंभ की जाएगी। आगामी खरीदी सीजन को लेकर प्रशासनिक तैयारियां जोरों पर हैं। पारदर्शी खरीदी व्यवस्था, अवैध धान की रोकथाम पर शासन-प्रशासन द्वारा विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा कई स्तरों पर तैयारी एवं निगरानी की जा रही है।

कलेक्टर के निर्देशन में की जा रही सतत निगरानी

कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने धान खरीदी प्रारंभ होने से पहले ही प्रशासनिक अमले को पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य करने के साथ ही उन्होंने विशेष रूप से जिले की सीमाओं से लगे राज्यों झारखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमाओं पर सतत निगरानी के साथ अवैध धान का परिवहन, भण्डारण करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर के निर्देश पर जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार, नायब तहसीलदार, उड़नदस्ता दल, तथा नोडल अधिकारी सक्रिय रूप से निगरानी में जुटे हैं।

सीमावर्ती क्षेत्रों एवं नाका, चेक पोस्टों पर पुलिस और राजस्व अमले द्वारा 24 घंटे की निगरानी रखी जा रही है, ताकि कोई भी व्यापारी या बिचौलिया अवैध रूप से धान का परिवहन न कर सके।

अवैध धान पर निरंतर की जा रही कार्यवाही

प्रशासन की सख्ती का असर अब जमीनी स्तर में देखने को मिल रहा है। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि जिले में अब तक की कार्रवाई के तहत लगभग 3450 बोरियां अवैध धान, जो कि करीब 1380 क्विंटल जब्त कर मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है एवं कुल 4 वाहन भी जब्त किया गया है।

अवैध गतिविधि पर दे तत्काल सूचना

प्रशासन ने नागरिकों से भी अपील की है कि कहीं भी अवैध धान का परिवहन, भंडारण की जानकारी मिलने पर संबंधित अधिकारी को सूचित करें। शिकायतकर्ता की पहचान को पूर्ण रूप से गोपनीय रखा जाएगा।

बिहान योजना से श्यामबाई बनी लखपति दीदी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। केन्द्र शासन की महत्वाकांक्षी बिहान योजना महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा के साथ-साथ सशक्त बनाने में एक अहम भूमिका निभा रही है। जहां महिलाएं लखपति दीदी बन आत्मनिर्भर हो रही हैं। योजना से लाभान्वित हुई विकासखण्ड वाड्रफनगर के ग्राम पंचायत गोवर्धनपुर की श्रीमती श्यामबाई की प्रेरणादायक कहानी एक मिसाल बनकर उभरी है। श्रीमती श्यामबाई का जीवन पहले आर्थिक तंगी और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच संघर्ष में बीत रहा था। उनके परिवार की आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं था और परिस्थितियां बेहद कठिन थी। इसी बीच उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने इस योजना से जुड़ने का निर्णय लिया, जो उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। बिहान योजना के अंतर्गत श्यामबाई ने किराना दुकान की शुरूआत की। कठिन परिश्रम और दृढ़ इच्छाशक्ति से उनकी दुकान अच्छा खासा चलने लगा। श्रीमती श्यामबाई के प्रयास और बिहान योजना की सहायता से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ। आज श्रीमती श्यामबाई की सालाना बचत एक लाख दस हजार रुपए तक पहुंच गई है, जहां लखपति दीदी बन आर्थिक रूप से सशक्त हुई है। जिसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन के द्वारा संचालित योजनाएं समाज में बदलाव लाने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान करती हैं। हम सब को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लेना चाहिए। जिससे हम अपने जीवन स्तर को बेहतर बना सकें।

साइबर अपराध आज के डिजिटल युग की सबसे बड़ी चुनौती-आईजी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। साइबर अपराध आज के डिजिटल युग की सबसे बड़ी चुनौती है। इससे बचाव का सबसे प्रभावी उपाय सावधानी और जागरूकता है। उक्त बातें आईजी सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा ने मुख्य अतिथि की आसंदी से सेंट पैट्रिक स्कूल मनेंद्रगढ़ में एक नवम्बर को आयोजित साइबर अपराध से संबंधित संवाद और जागरूकता कार्यक्रम में कही। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी अज्ञात कॉल, लिंक या संदेश पर भरोसा न करें और अपनी बैंक संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता रत्ना सिंह पुलिस अधीक्षक, जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि, साइबर अपराध से बचाव के लिए हर व्यक्ति को

डिजिटल सुरक्षा के नियमों को जानना आवश्यक है। जागरूक नागरिक ही साइबर अपराध का सबसे सशक्त रक्षा कवच है। इस अवसर पर साइबर अपराध के पीड़ितों ने अपने अनुभव साझा किए, जिससे जनता को वास्तविक घटनाओं से सीखने का अवसर मिला। बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सुरक्षित डिजिटल लेन-देन के उपाय बताए। चेंबर ऑफ कॉमर्स मनेंद्रगढ़ के प्रतिनिधियों ने व्यापारिक लेन-देन में सतर्कता बरतने की अपील की। इस दौरान दीपिका मिंज, नगर पुलिस अधीक्षक चिरमिरी, अलेक्सियुस टोप्पो एसडीओपी मनेंद्रगढ़, हेमंत टोप्पो रक्षित निरीक्षक, विवेक पाटले निरीक्षक, अजाक प्रकोष्ठ, सुनील तिवारी थाना प्रभारी मनेंद्रगढ़, विजय सिंह थाना प्रभारी चिरमिरी, मनीष धुर्वे थाना प्रभारी पोड़ी, टिकेश्वर यादव थाना प्रभारी केल्हारी,

पुष्कल सिन्हा प्रभारी, साइबर सेल एवं स्टाफ, आरक्षक जितेन्द्र ठाकुर, राकेश तिवारी, भूपेन्द्र यादव, प्रिंस राय और जिले के समस्त थाना एवं चौकी से आए अन्य पुलिस स्टाफ, स्कूली छात्र-छात्राएं, बैंक के अधिकारी-कर्मचारी, व्यापारी, चेंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्य, आम नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में साइबर अपराध पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन, पीड़ितों एवं विशेषज्ञों द्वारा संवाद, जनसामान्य के साथ इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों को साइबर सुरक्षा के संबंध में शपथ दिलाई गई कि, वे स्वयं, अपने परिवार एवं समाज को साइबर अपराध से सुरक्षित रखने हेतु सदैव सतर्क रहेंगे और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे।

छत्तीसगढ़ स्थापना के रजत जयंती अवसर पर 10,001 हितग्राहियों ने किया गृह प्रवेश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती अवसर पर प्रदेश भर में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत हितग्राहियों का सामूहिक गृह प्रवेश कार्यक्रम हर्षोल्लास संपन्न हुआ। राज्योत्सव स्थल नवा रायपुर, अटल नगर में आयोजित राज्य स्तरीय मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से छत्तीसगढ़ के कुल 3.51 लाख हितग्राहियों का गृह प्रवेश कराया। इनमें सरगुजा जिले के 10,001 हितग्राही शामिल रहे। सरगुजा जिले के विभिन्न जनपद पंचायतों के अंतर्गत अंबिकापुर में 2126, बतौली में 1082, लखनपुर में 2219, लुण्ड्रा में 1174, मैनपाट में 993, सीतापुर में 1165 तथा उदयपुर में 1242 ग्रामीण

परिवारों ने अपने नए घरों में गृह प्रवेश किया। कलेक्टर विलास भोसकर के मार्गदर्शन में जिला पंचायत सीईओ विनय अग्रवाल द्वारा जनपद पंचायत लुण्ड्रा के ग्राम पंचायत कोरिमा में हितग्राही गोविंदा कोरवा एवं ग्राम पंचायत पटोरा में हितग्राही संकुती को नवीन आवास में गृह प्रवेश कराया। इस अवसर पर हितग्राहियों ने पारंपरिक विधि-विधान से दीप प्रज्ज्वलन, रंगोली और साज-सज्जा के साथ नए घर में प्रवेश किया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों द्वारा हितग्राहियों को आभार पत्र एवं 'खुशियों की चाबी' भेंट की गई। ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रति खुशी और आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना ने उन्हें अपने सपनों का घर और आत्मनिर्भर जीवन जीने का अवसर प्रदान किया है।

मणीपुर थाना क्षेत्र से दो मोटरसायकल चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मणिपुर थाना क्षेत्र से दो बाइकों की चोरी का मामला प्रकाश में आया है। सुंदरपुर चिटकीपारा निवासी गुडडू बेक पिता बाबुलाल बेक ने पुलिस को बताया है कि 30 अक्टूबर को शाम 6.30 बजे वह घर के आंगन में मोटरसायकल क्रमांक सीजी 15 सीएस 3882 को खड़ा किया था, कुछ देर बाद मैं बाहर निकला तो मोटरसायकल नहीं थी। एक अन्य मामले में ग्राम असोला निवासी बृजलाल पैकरा पिता दुर्बल पैकरा ने पुलिस को बताया कि 30 अक्टूबर को वह अपने मोटरसायकल क्रमांक सीजी 15 सीके 6337 से अपने भाई के लिए खाना पहुंचाने जिला अस्पताल अंबिकापुर गया था। मोटरसायकल को पार्किंग में खड़ा करके अंदर गया, शाम करीब 5.45 बजे बाहर आया तो मोटरसायकल नहीं था। काफी खोजबीन के बाद भी मोटरसायकल का पता नहीं चला। रिपोर्ट पर पुलिस ने दोनों मामले में केस दर्ज कर लिया है।

स्व. जेबी पंडा को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टोरेट के न्यायिक शाखा में सेवा दे रहे जेबी पंडा का निधन हो गया। सेवानिवृत्ति के बाद वे लिपिक के पद पर संविदा में कार्यरत थे। उनके अंतिम संस्कार में कलेक्टर विलास भोसकर, अपर कलेक्टर सुनील कुमार नायक, अमृत लाल ध्रुव, राम सिंह ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर राम राज सिंह, पूर्व अधीक्षक अजय प्रसाद श्रीवास्तव, पूर्व जिला नाजीर उमा शंकर पाठक सहित आयुक्त कार्यालय, कलेक्टर कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय एवं तहसील कार्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। सभी ने स्वर्गीय पंडा के साथ बिताए अपने अनुभवों को याद करते हुए अश्रुपूरित नेत्रों से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। स्व. पंडा एक कर्मनिष्ठ, मिलनसार और सादगीपूर्ण व्यक्तित्व के धनी थे। उनके योगदान को सदैव याद किया जाएगा। सभी ने ईश्वर से दवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

जहर सेवन से अधेड़ की मौत, सौतेली मां को पुत्र ठहराया जिम्मेदार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम डिगमा निवासी कृष्णा दास 55 वर्ष अपनी दूसरी पत्नी की हरकतों से क्षुब्ध होकर जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

मृतक के पुत्र ने पुलिस को बताया है कि उसके पिता पहली पत्नी की मृत्यु के बाद रीति-रिवाज से करीब 17-18 साल पहले बलरामपुर की महिला से दूसरा विवाह किए थे, जिससे एक पुत्री है। करीब डेढ साल से उसकी सौतेली मां की हरकतों को लेकर उसके पिता परेशान थे। आरोप है कि उसकी सौतेली मां जोड़ा पीपल के पास दुकान का संचालन करने वाले एक व्यक्ति के साथ घूमना-फिरना करती थी। उक्त व्यक्ति उसकी सौतेली मां को मोबाइल फोन भी खरीद कर दिया था, दोनों हमेशा एक-दूसरे से बातचीत करते थे। इसका पता चलने पर पिता और गांव के बुजुर्गों ने दुकान संचालक और उसकी सौतेली मां को समझाया गया, लेकिन दोनों की हरकतों में बदलाव नहीं आया। 30 अक्टूबर को रात करीब 10.30 बजे सौतेली मां से उसके पिता का डेयरी दुकान के संचालक से बातचीत, घूमने फिरने को लेकर विवाद हुआ था, इसके बाद वह घर से भाग गई। 31 अक्टूबर को अपनी पत्नी को खोजने के लिए उसके पिता निकले, और रात करीब 11 बजे घर वापस आए, जो शराब के नशे में थे। उन्होंने जहर पी लिया हूं, जीना नहीं चाहता हूं कहा, जिस पर वे उन्हें होलीक्रॉस अस्पताल लेकर पहुंचे। इलाज के दौरान 4.20 बजे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

वीरगाथा प्रोजेक्ट व एकता दिवस के अवसर पर बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

माध्यमिक शाला बालक रामानुजनगर में हुआ चित्रकला एवं चर्चा कार्यक्रम का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन रामानुजनगर। माध्यमिक शाला बालक रामानुजनगर में वीरगाथा प्रोजेक्ट 5.0 के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा देश के वीर महापुरुषों की जीवन गाथाओं पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में छात्रों ने महापुरुषों की जीवनी को आधार बनाकर उनके आदर्शों, देशभक्ति और त्याग के भाव को विस्तार से प्रस्तुत किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने वीर सपूतों और राष्ट्रनायकों के चित्र बनाकर उनके योगदान को रेखांकित किया। चर्चा के माध्यम से बच्चों ने स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान एवं समाज में दिए गए संदेशों को साझा किया। इसी क्रम में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने सरदार पटेल के व्यक्तित्व और उनके द्वारा की गई देश की एकता एवं अखंडता के कार्यों को अपने चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधान पाठक प्रकाश कुमार, शिक्षक बिहारी लाल साहू एवं वर्षा सिंह ने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए सरदार पटेल के आदर्शों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि वीरगाथा प्रोजेक्ट जैसे प्रयास छात्रों में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना का विकास करते हैं। विद्यालय परिसर में संपन्न इस कार्यक्रम में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने सृजन से यह संदेश दिया कि नई पीढ़ी अपने वीर नायकों के कार्यों से प्रेरणा लेकर देश निर्माण में योगदान देने को तत्पर है।

बिहारपुर की टूटी सड़क बनी हादसों का कारणकीचड़ में फंसी बाइक, ग्रामीणों की जिंदगी दांव पर

छ.ग.फ्रंटलाइन बिहारपुर। विकासखंड ओडगी के ग्राम पंचायत बिहारपुर के चौकापारा मोहल्ले में सड़क की बदहाली किसी बड़ी दुर्घटना को दावत दे रही है। लगभग 3 किलोमीटर लंबी यह सड़क बरसात में पूरी तरह दलदल में तब्दील हो जाती है। स्थिति ऐसी है कि दुपहिया वाहन गड्ढों और कीचड़ में फंस जाते हैं और ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर चलना पड़ता है।

ताजा तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि ग्रामीण अपने दुपहिया वाहनों को कीचड़ से निकालते हुए फिसल रहे हैं। सड़क पर

गड्ढे इतने गहरे हैं कि चलते समय वाहन का संतुलन बिगड़ जाता है। कई बार ग्रामीणों और बच्चों को चोट लग चुकी है। चौकापारा मोहल्ले में करीब 200 परिवार रहते हैं। लोगों का कहना है कि बीमार पड़ने पर मरीज को कंधे पर उठाकर अस्पताल लाना पड़ता है। स्कूल जाने वाले बच्चों और मजदूरी के लिए निकलने वाले युवक-युवतियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

चौकापारा निवासी रमेश गुप्ता ने बताया

बारिश के मौसम में तो हम मानो कैद हो जाते हैं। सड़क नहीं, एक दलदल है जिसमें रोज़ हमें गिरकर जाना पड़ता है। ना जनप्रतिनिधि सुनते हैं और ना अधिकारी देखने आते हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि वे कई बार जनपद पंचायत, विधायक और पंचायत के समक्ष सड़क सुधार की मांग उठा चुके हैं, लेकिन आज तक न तो निरीक्षण हुआ और न ही मरम्मत शुरू की गई।

लोगों का कहना है कि सड़क नहीं सुधरी तो हम उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

बरसात अब केवल मुश्किलें ही नहीं, बल्कि जानलेवा स्थितियां पैदा कर रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से अविलंब सड़क निर्माण और फिलहाल मुर्मीकरण जैसे आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

एकता दिवस पर रामानुजनगर में सद्भावना दौड़ का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन रामानुजनगर। भारत स्काउट एंड गाइड्स, छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त इन्द्रजीत खालसा एवं राज्य सचिव जितेन्द्र कुमार साहू के निर्देशन तथा जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला आयुक्त (स्काउट) अजय मिश्रा के आदेशानुसार, ब्लॉक सचिव बिजेन्द्र साहू के कुशल नेतृत्व में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता सद्भावना दौड़ का आयोजन किया गया।

स्वतंत्र भारत के प्रथम गृहमंत्री और देश की एकता के शिल्पकार लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ उनके शैलचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात सद्भावना दौड़ की शुरुआत की जिसमे स्काउट-गाइड, रोवर-रेंजर एवं विद्यालय के छात्राओ ने दौड़ लगाई। सभी प्रतिभागियों ने एकता और अखंडता के लिए हम सब एक हैं का संदेश देते हुए राष्ट्रीय एकता की भावना को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया। उद्बोधन में बिजेन्द्र साहू ने कहा कि सरदार पटेल के अदम्य साहस, संगठन क्षमता और दूरदर्शिता ने ही स्वतंत्र भारत को एक सूत्र में बाँधा। आज हमें उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र की एकता, अखंडता और भाईचारे को बनाए रखने का संकल्प लेना चाहिए। स्काउट-गाइड आंदोलन भी समाज में अनुशासन, सेवा और एकता की भावना के प्रसार का प्रतीक है। कार्यक्रम के अंत में सभी को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य रूपनारायण कुशवाहा, रहमान खान, स्काउट मास्टर योगेश साहू, श्रीकांत पांडेय, नितिन सिन्हा, गाइड कैप्टन गुड्डी राही सहित स्काउट-गाइड सदस्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR-2026) के सम्बन्ध में उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने ली प्रेसवार्ता

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रदेश में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ड्क्र)) प्रारंभ किया गया है। इसके तहत राज्यभर में मतदाता सूची को अद्यतन करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसी क्रम में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सुनील नायक ने शनिवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में प्रेसवार्ता लेकर मीडिया के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सम्बन्ध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार देश के 12 राज्यों, जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य भी शामिल है, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ड्क्र-2026) की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। इस अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन और पारदर्शी बनाना है। उन्होंने बताया कि (स्ड्क्र-2026) का प्रमुख उद्देश्य मृत व्यक्तियों के नामों को सूची से हटाना,स्थायी रूप से निवास बदलने वालों के नाम हटाना, दो स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं का नाम निरस्त करना, अपात्र व्यक्ति का मतदाता सूची से नाम हटाना, शुद्ध एवं पारदर्शी मतदाता सूची का निर्माण कराना है। पंजीकरण की प्रक्रिया के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि मतदाताओं को बीएलओ द्वारा परिगणना फॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा, जिसे निश्चित समय में भरकर बीएलओ को जमा करवाना होगा। फॉर्म भरने से पहले दो नवीनतम रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो (सफेद बैकग्राउंड सहित) तैयार रखना होगा। साथ ही पहचान दस्तावेज अनिवार्य रूप से संलग्न करना होगा। उन्होंने मतदाता सूची पुनरीक्षण हेतु निर्धारित समय सारिणी, आवेदन प्रक्रिया, पुनः पंजीकरण प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों, गहन पुनरीक्षण के चरण और आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण जैसे महत्त्वपूर्ण कार्य में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पत्रकारों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को अद्यतन करने की प्रक्रिया की जानकारी मतदाताओं तक सरल ढंग से पहुंचाने में आप सभी का सहयोग अपेक्षित है, ताकि सही जानकारी लोगों तक पहुंचे और पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में जोड़ा जा सके।

सम्पादकीय

भारत पर दबाव बनाने को कड़े फैसले ले रहे ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोगली नीति पर चल रहे हैं। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गुणगान करते हैं तो अगले ही पल भारत और भारतियों के खिलाफ किसी फैसले को अमल में ले आते हैं। वे लगातार भारत के खिलाफ चुभती बातें बोल रहे हैं। कभी पाकिस्तान की तारीफ करते हैं और कभी यह कहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे कहा है कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करेगा। दिवाली पर भारतीय प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि भारत रूस से तेल का आयात कम करेगा, जबकि भारत ने ऐसा कोई फैसला नहीं लिया है। इसके बाद उन्होंने रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों पर पाबंदी लगा दी। इसके चलते भारत का रूस से तेल खरीदना कठिन हुआ ही साथ में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल के दाम भी बढ़ गए। भारत पर 25+25 टैरिफ लगाने के बाद वे एक के बाद एक भारत विरोधी फैसले ले रहे हैं। ये वही डोनाल्ड ट्रंप हैं, जिन्हें राष्ट्रपति चुनाव में जी भरकर भारतीय समुदाय के लोगों ने वोट दिए, लेकिन राष्ट्रपति बनते ही भारत के खिलाफ खड़े हो गए। अब ट्रंप प्रशासन ने ऑटोमैटिक वर्क परमिट एक्सटेंशन की सुविधा खत्म कर दी है। इसका सबसे बड़ा झटका अमेरिका में काम करने वाले भारतीयों को लगेगा। इसका मतलब ये हुआ कि अगर किसी का वर्क परमिट कल खत्म हो रहा है, तो वो आज खुद ही ऑटोमेटिक नहीं बढ़ेगा। अभी तक ये होता था कि अगर किसी का वर्क परमिट खत्म हो जाता था, उसे ऑटोमैटिक 540 दिनों का एक्सटेंशन मिल जाता था और इस दौरान उसे अपने परमिट का नवीनीकरण करवाना पड़ता था, लेकिन अब ऐसा नहीं हो सकेगा। इसीलिए सवाल ये उठ रहे हैं कि क्या अब वर्क परमिट खत्म होने का बाद नौकरी चली जाएगी और क्या अमेरिका ही छोड़ना पड़ेगा। इस फैसले को लेकर अमेरिका में भारतीय पेशेवरों में खासी बेचैनी है। वो लोग भी खासे उलझन में हैं जिन्होंने अनुबंध आधार पर नौकरी पा रखी है। पहले होता यह था कि किसी कंपनी से अनुबंध आधार पर जॉब के बाद वे दूसरी कंपनी में चले जाते थे। अब उनके लिए परेशानी होगी। ट्रंप प्रशासन के इस फैसले का गंभीर असर उन हजारों भारतीय प्रोफेशनल्स पर होगा, जो एच-1बी वीजा, एच-4 स्पाउस परमिट, या ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग पर अमेरिका में काम कर रहे हैं। इसके अलावा, जो भारतीय नागरिक ग्रीन कार्ड के लिए सालों से इंतजार कर रहे हैं, उन्हें अब हर बार वर्क परमिट रिन्यूअल में देरी होने पर नौकरी खोने का जोखिम झेलना पड़ेगा। यह नियम अमेरिका में वर्क परमिट रिन्यूअल की प्रक्रिया में एक बड़ा बदलाव है। अब यदि यूएस सिटीजनशिप एंड इमीग्रेशन सर्विस समय पर आवेदन अप्रूव नहीं करेगा तो कर्मचारी अपनी मौजूदा नौकरी तुरंत खो देगा और फिर उसे अमेरिका में रहने का अधिकार भी नहीं मिलेगा। वे नौकरी खत्म होते ही अवैध की श्रेणी में आ जाएंगे। वैसे भी मौजूदा प्रक्रिया के मुताबिक, वर्क परमिट रिन्यूअल में तीन से बारह महीने तक का समय लग सकता है। ये इस बात पर भी निर्भर करता है कि नौकरी क्या है और वो किस क्लास में आता है। इस बीच, जो कर्मचारी समय पर रिन्यूअल नहीं करा पाएंगे, उन्हें अवैध कर्मचारी या अवैध नागरिक माना जाएगा। अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे युवाओं के साथ ट्रंप प्रशासन क्या सलूक कर रहा है, ये पूरी दुनिया देख चुकी है। अब ट्रंप ने यह फैसला केवल और केवल भारत पर दबाव बनाने के लिए किया है, ताकि भारत उनकी शर्तों को माने, लेकिन वो ये नहीं जानते कि यह नया भारत है, जो अपनी शर्तों पर चलता है। कोई दबाव उसे झुका नहीं सकता।

आर्थिकी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

अभी भी साहूकारी कर्ज की चुनौती

इन दिनों ग्रामीण भारत और किसानों की ऋणग्रस्त विषय पर प्रकाशित हो रही विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि यद्यपि किसानों को आर्थिक-सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के लिए बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अभी भी गांवों में बड़ी संख्या में छोटे किसान साहूकारी कर्ज के घेरे में आते हुए दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में ग्रामीण अर्थव्यवस्था के तेज विकास और गांवों में छोटे किसानों को वित्तीय राहत के मद्देनजर हरसंभव तरीके से साहूकारों के कर्ज से बचाते हुए, उन्हें सरकारी तथा सहकारी कर्ज की छतरी की छाया में लाया जाना चाहिए। साथ ही प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से छोटे किसानों के लिए बिना ब्याज के ऋण वितरण का लक्ष्य बढ़ाया जाना सुनिश्चित करना चाहिए। गौरतलब है कि हाल ही में प्रकाशित राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की ग्रामीण धारणा सर्वेक्षण रिपोर्ट 2025 के तहत ग्रामीण भारत में ऋण वितरण और चुनौतियों के संबंध में दो अत्यधिक महत्वपूर्ण बातें रेखांकित हुई हैं।

पहली अहम बात यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अब 54.5 फीसदी परिवार केवल औपचारिक स्रोतों क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सहकारी समितियां, सूक्ष्म वित्त संस्थान आदि से ऋण लेते हैं, जो सर्वेक्षण शुरू होने के बाद से अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। चूँकि ग्रामीणों को ऋण के औपचारिक स्रोतों के माध्यम से जो ऋण दिए जाते हैं, वे सरकार के द्वारा निर्धारित कुछ निश्चित नियमों व शर्तों के तहत उचित निर्धारित ब्याज दर से जुड़े होते हैं अतएव कर्ज लेने वाले ग्रामीण आर्थिक शोषण से बच जाते हैं। रिपोर्ट की दूसरी प्रमुख बात यह है कि यद्यपि ग्रामीण भारत में औपचारिक ऋण वितरण में सुधार हुआ है, लेकिन अभी भी कई परिवार साहूकारों, दोस्तों, परिवारों और अन्य अनौपचारिक स्रोतों पर निर्भर हैं। यह वर्ग अभी भी ऊंची ब्याज दर पर कर्ज दे रहा है और औसत ब्याज दरें लगभग 17-18 फीसदी से भी अधिक होती हैं।

इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि गांवों में लगभग 23.5 फीसदी परिवार औपचारिक एवं अनौपचारिक दोनों तरह के ऋणों पर निर्भर हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि ग्रामीण क्षेत्रों में औपचारिक ऋण व्यवस्था ने अच्छी प्रगति की है। रिपोर्टों के मुताबिक गांवों में किसानों को औपचारिक ऋण से जोड़ने के मद्देनजर सरकार के द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) कृषि इंफ्राक्ट्रक्चर फंड, सहकारी समितियों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था आदि प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं। इससे ग्रामीण लोगों की क्रयशक्ति में वृद्धि, डिजिटल उपयोग में वृद्धि, खपत में वृद्धि, ग्रामीणों की बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच, गांवों में लोगों के जीवन स्तर में सुधार, ग्रामीण भारत के लोगों की पूरक आय में वृद्धि जैसी सकारात्मक पृष्ठभूमि निर्मित हुई हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि वर्ष 2019 से शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना देश के करोड़ों छोटे और सीमांत किसानों को वित्तीय मजबूती देते हुए दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के जरिए अब तक देश के कोई 9.7 करोड़ से अधिक किसानों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 20 किश्तों में 3.9 लाख करोड़ रुपये की आर्थिक मदद दी जा चुकी है, जिससे उन्हें खेती-

किसानी से जुड़े खर्चों में राहत मिल रही है। देश के गांवों में अप्रैल 2020 से शुरू की गई पीएम स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनकी जमीन का कानूनी हक देकर उनके आर्थिक सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है। लेकिन चिंताजनक यह है कि अभी भी ग्रामीण जनजीवन के करीब 22 फीसदी लोगों की कर्ज के लिए साहूकारों और अनौपचारिक स्रोतों पर जो निर्भरता बनी हुई है, उसके कारण बड़ी संख्या में छोटे किसानों की आर्थिक सुरक्षा कमजोर है। स्थिति यह है कि जब कई छोटे किसानों को आय अस्थिरता, मौसमी जोखिमों और सरकार से पर्याप्त धन हस्तांतरण की कमी का सामना करना पड़ता है, तब इन परिस्थितियों में ये किसान भारी भरकम ब्याज के बावजूद साहूकारों की चौखट पर दस्तक देते हुए दिखाई देते हैं। कई बार सामाजिक और जनसांख्यिकीय कारक भी साहूकारों से ऋण लेने के मद्देनजर असर डालते हैं। स्थिति यह भी है कि कई बार छोटे किसान औपचारिक स्रोतों से ऋण लेना तो चाहते हैं मगर इसके लिए उनकी तैयारी पर्याप्त नहीं होती, मसलन दस्तावेज की कमी, गारंटी दाता की कमी एवं अन्य शर्तें बाधा डालते हुए दिखाई देती हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा प्रकाशित कृषि परिवारों की स्थिति मूल्यांकन सर्वेक्षण और संपूर्ण भारत ऋण और निवेश सर्वेक्षण के अनुसार लगभग पचास प्रतिशत कृषि परिवार कर्ज में डूबे हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक किसानों को ऋण के लिए संस्थागत बैंकों के साथ-साथ गैर-संस्थागत स्रोतों जैसे साहूकारों और रिश्तेदारों पर भी निर्भर रहना पड़ता है। कई बार ये छोटे किसान भारी भरकम ब्याज दर से ऋण चुका पाने में असमर्थ रहते हैं। ऐसे में उन्हें ब्याज के बोझ को हल्का करने के लिए फिर ऋण लेना होता है और ऐसे छोटे किसान साहूकारों के ऋण जाल में फंसते चले जाते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि गांवों में बैंक शाखाएं तेजी से बढ़ी हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की 2024-25 की सालाना रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक दशक में ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग शाखाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। विशेष रूप से गांवों में बैंक शाखाओं की संख्या मार्च 2010 के 33,378 से बढ़कर दिसंबर 2024 तक 56,579 हो गई। साथ ही गांवों में सहकारी समितियों का नया विस्तार दिखाई दे रहा है। ऐसे में गांवों में साहूकारों और अनौपचारिक ऋणों पर निर्भरता घटाने के लिए बैंक शाखा विस्तार के अलावा नई रणनीति के तहत दूसरे कदम भी उठाने की जरूरत है। छोटे ऋणों और कम अवधि के ऋण वाली कई योजनाएं तैयार करके साहूकारों पर निर्भरता कम की जाना होगी।

यह भी महत्वपूर्ण है कि गांवों में साहूकारों पर ऋण निर्भरता की प्रवृत्ति को रोकने के लिए ग्रामीण क्षेत्र के छोटे व्यवसायों को विश्वसनीय संस्थागत वित्तीय सेवाएं प्रदान करने हेतु लक्षित नीतिगत उपाय सुनिश्चित किए जाने होंगे। खासतौर से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के अंतिम छोर तक मजबूत गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) की भूमिका को प्रभावी बनाना होगा। गांवों में तरलता संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए एनबीएफसी के लिए एक मजबूत पुनर्वित्त सुविधा तत्काल सुनिश्चित करनी होंगी। साथ ही एसएआरएफएईएसआई अधिनियम के तहत प्रतिभूति हितों को लागू करने के लिए ऋण राशि की सीमा को और घटाया जाना अत्यधिक लाभकारी कदम होगा। इन सुधारों के साथ-साथ वित्तीय जागरूकता में सुधार करने और ग्रामीण आजीविका कार्यक्रमों से जुड़ी बुनियादी वित्तीय शिक्षा से साहूकारों पर निर्भरता कम करनी होगी। गांवों में प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना का तेजी से विस्तार करना होगा, इससे छोटे किसानों की संस्थागत ऋण तक पहुंच बढ़ाई जा सकेगी। उम्मीद करें कि इन बहुआयामी उपायों से गांवों के छोटे और कमजोर वर्ग के किसानों की साहूकारों पर निर्भरता कम होगी।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

> ग्रामीण अर्थव्यवस्था के तेज विकास और गांवों में छोटे किसानों को वित्तीय राहत के मद्देनजर हरसंभव तरीके से साहूकारों के कर्ज से बचाते हुए, उन्हें सरकारी तथा सहकारी कर्ज की छतरी की छाया में लाया जाना चाहिए। साथ ही प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से छोटे किसानों के लिए बिना ब्याज के ऋण वितरण का लक्ष्य बढ़ाया जाना सुनिश्चित करना चाहिए। गांवों में प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना का तेजी से विस्तार करना होगा, इससे छोटे किसानों की संस्थागत ऋण तक पहुंच बढ़ाई जा सकेगी। उम्मीद करें कि इन बहुआयामी उपायों से गांवों के छोटे और कमजोर वर्ग के किसानों की साहूकारों पर निर्भरता कम होगी।

जयंती विशेष

आचार्य दीप चन्द भारद्वाज

राष्ट्रीय एकता के सदढ स्तंभ कहलाए वल्लभभाई पटेल

सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नडियाद क्षेत्र में एक आत्मनिर्भर कृषक परिवार में हुआ था। प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत इन्होंने स्वाध्याय के माध्यम से ही शिक्षा प्राप्त की। 1910 में मिडिल टेबल लंदन में अध्ययन करने के लिए गए। उच्च सम्मान के साथ वहां पर दो वर्ष तक रहकर परीक्षा उत्तीर्ण की। 1913 में पुनः भारत लौटे, अहमदाबाद रहकर वकालत के क्षेत्र में यह तेजी से आगे बढ़े। अपनी योग्यता तथा दृढ़ परिश्रम के बल पर आपराधिक कानून के अग्रणी बैरिस्टर बनकर उभरे। 1917 से 1924 तक पटेल अहमदाबाद नगर पालिका के आयुक्त रहे तथा 1924 से 1928 तक नगर पालिका अहमदाबाद के अध्यक्ष भी रहे। सन 1928 में बारडोली सत्याग्रह में वल्लभ पटेल ने जमींदारों और किसानों के आंदोलन का दृढ़तापूर्वक नेतृत्व किया, जिससे उनकी ख्याति पूरे भारत में राष्ट्रवादी नेता के रूप में होने लगी। अंग्रेज सरकार ने किसानों के लगान में 22% की वृद्धि की थी जिसके विरोध में पटेल के नेतृत्व में यह बारडोली का किसान आंदोलन विराट रूप लेकर उभरा। अंग्रेज सरकार ने आंदोलन को कुचलने के लिए कठोर कदम उठाए परंतु लौह पुरुष पटेल के आगे अंग्रेज सरकार को झुकना पड़ा। इस सत्याग्रह आंदोलन की सफलता के बाद वहां की महिलाओं ने वल्लभभाई पटेल को किसानों का 'सरदार' की उपाधि दी जो हमेशा के लिए उनके नाम के साथ जुड़ गई। बारडोली के आंदोलन के सफल नेतृत्व ने तथा सरदार की उपलब्धि ने पटेल को गांधी के बाद भारत का दूसरा प्रसिद्ध राष्ट्रीय नेता बना दिया। अंग्रेज सरदार पटेल को अपने सबसे खतरनाक शत्रु के रूप में मानते थे। पटेल को स्वावलंबन, दृढ़ परिश्रम, आत्म संयम जैसे गुण बचपन से ही परिवार की विरासत में मिले थे। अपनी कार्यशैली तथा फौलादी व्यक्तित्व के कारण सरदार पटेल भारतीय जनमानस की पहली पसंद थे। सन 1931 में कराची में हुए कांग्रेस के अधिवेशन की इन्होंने अध्यक्षता की। अपनी कर्तव्यनिष्ठता, ईमानदारी, राष्ट्रभक्ति की भावना ने सरदार पटेल को भारतीय राष्ट्रीय राजनीति का लब्ध प्रतिष्ठित नेता बना दिया था। यही कारण है कि सरदार पटेल का नाम तीन बार कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए प्रांतीय समितियों के माध्यम से भेजा गया परंतु महात्मा गांधी ने जवाहरलाल नेहरू के प्रति अपना स्नेह होने के कारण सरदार पटेल को पीछे रखकर नेहरू को अध्यक्ष बनाया। सरदार पटेल निष्काम, निस्वार्थ भाव से भारत वर्ष की स्वतंत्रता को समर्पित थे। उन्होंने सदैव गांधी के द्वारा चलाए गए सभी आंदोलन में अपना योगदान दिया। सरदार पटेल एक प्रतिष्ठित वकील, दूरदर्शी राजनीतिज्ञ थे। दृढ़ इच्छा शक्ति, साहस, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता तथा ठोस व्यक्तित्व उनके विशेष गुण थे। अपनी कुशाग्र बुद्धि के बल पर इन्होंने वकालत के क्षेत्र में भी प्रतिष्ठा प्राप्त की। वल्लभ जी ऐसे मुकदमे लड़ते थे जिनमें निर्दोष को फसाया गया हो तथा जिसे अपने अकाट्य तर्कों से काटा जा सके। महात्मा गांधी भी सरदार पटेल के फौलादी व्यक्तित्व से प्रभावित थे इसलिए उन्होंने वल्लभभाई पटेल को लौह पुरुष की उपाधि प्रदान की थी। इतिहासकारों ने पटेल जी को बिस्मार्क ऑफ इंडिया का नाम दिया है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात वल्लभ जी भारत के पहले उप प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री जैसे पदों पर सुशोभित रहे। सन 1947 में भारत तो आजाद हो गया था परंतु सबसे बड़ी समस्या जो अंग्रेज चालाकी से छोड़ गए थे वह थी बिखरी हुई 562 रियासतें। इन सभी रियासतों को भारतीय गणराज्य में विलय करना एक चुनौती पूर्ण कार्य था। वल्लभ भाई पटेल ने इस कार्य को अपनी सूझबूझ और विवेक के द्वारा अधिक से अधिक राजवाड़ों को पेंशन तथा अन्य लाभ देकर इन्होंने हटा दिया परंतु प्रतिरोध करने वाली रियासतों में मुख्य रूप से जूनागढ़, कश्मीर तथा हैदराबाद यह तीन प्रमुख थे। जूनागढ़ में जनमत संग्रह करवा कर इन्होंने भारत में शामिल करवाया। कश्मीर के शासक महाराजा हरि सिंह स्वतंत्र रूप से अलग रहना चाहते थे परंतु पाकिस्तानी कव्वाली सुना अचानक आक्रमण कर देने पर सरदार पटेल ने उनकी सहायता की और फिर 1947 में कश्मीर को भारत में मिला दिया गया। हैदराबाद के निजाम में वल्लभ पटेल का प्रतिरोध किया तथा अंत में वहां पर भी सेना भेज कर हैदराबाद रियासत को भारत वर्ष में मिल लिया गया। विश्व इतिहास में एक व्यक्ति भी ऐसा नहीं हुआ जिसने इतनी बड़ी संख्या में राज्यों का एकीकरण करने का साहस किया हो। इतनी विशाल संख्या में बिखरी हुई रियासतों के एकीकरण के असंभव कार्य को सरदार पटेल ने अपने फौलादी व्यक्तित्व के बल पर संभव बनाकर भारतवर्ष की राष्ट्रीय एकता और अखंडता को सुदृढ़ता प्रदान की।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कैसे हो जीवन की यात्रा सुखमय

संकलित

दर्शन

मनुष्य का पूरा जीवन ही यात्रामय है। हम प्रायः दूसरों के दिखाए रास्तों पर ही चलते हैं, लेकिन जब मनुष्य अंतर्मन की यात्रा करता है, तब यहां किसी प्रकार के कोई पदचिह्न नहीं होते। इस यात्रा पर चलने से हम सब प्रकार की आसक्ति से मुक्त हो जाते हैं। श्वास को देखे बिना शरीर को ठीक तरह से समझ नहीं सकते, देख नहीं सकते। शरीर को देखे बिना मन को नहीं देख सकते। मन को देखे बिना आभामंडल को नहीं देख सकते और आभामंडल को देखे बिना प्राण को नहीं देख सकते। जो हमने यात्रा प्रारंभ की है। यात्रा के लिए हमने एक मार्ग चुना है। मार्ग पर हर कोई चलता है। हम भी चलते थे और चल रहे हैं। हर मार्ग पर पदचिह्न होते हैं, किंतु आज हमने एक ऐसा मार्ग चुना है, जिसमें कोई पदचिह्न नहीं है। पदचिह्न होने का अर्थ है- अनुसरण होना। जहां अनुसरण नहीं होता, वहां कोई पदचिह्न भी नहीं होता। हमारा मार्ग बिना पदचिह्न का मार्ग है। इसमें कोई किसी का अनुसरण नहीं करता। एक चिंतन आता है और उसका संस्कार बन जाता है। एक प्रवृत्ति होती है और उसका संस्कार बन जाता है। एक शब्द आता है और उसका संस्कार बन जाता है। चिंतन चला जाता है, प्रवृत्ति चली जाती है, शब्द चला जाता है, किंतु वे अपने पीछे चिह्न छोड़ जाते हैं। जो छोड़ा जाता है, उसकी आवृत्तियां होती रहती हैं। संस्कार शेष रह जाते हैं। किंतु हमने ऐसे मार्ग पर यात्रा शुरू की है, जिसमें कोई अनुसरण नहीं है, पदचिह्न नहीं है। जब चलने वाला अपने मार्ग से आसक्त हो जाता है, तब पदचिह्न शेष रह जाते हैं।

सवाल का जवाब चाहिए तो रहें मौन

संकलित

प्रेरणा

मौन रहना न केवल कई समस्याओं का समाधान हो सकता है, बल्कि कई जिज्ञासाओं का जवाब भी हो सकता है। गौतम बुद्ध के अनुसार, मौन केवल चुप रहना नहीं होता, बल्कि यह भीतर की यात्रा है। जब मन शांत होता है, तब बोधि (ज्ञान) का द्वार खुलता है। एक बार एक विद्वान ब्राह्मण मौलुंकपुत्र, जो पांच सौ शिष्यों के साथ आया था, बुद्ध के पास पहुंचा। उसके मन में अनेक प्रश्न थे। जैसे कि, क्या आत्मा और शरीर एक ही हैं या अलग-अलग? संसार शाश्वत है या अस्थायी? मृत्यु के बाद क्या होता है? इन प्रश्नों को लेकर मौलुंकपुत्र बुद्ध के पास पहुंचे और बोले- भगवन! आपको मुझे इन प्रश्नों के जवाब देने ही होंगे। बुद्ध ने उसकी आंखों में देखा और कहा - मैं तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर दूंगा, लेकिन एक शर्त है। एक वर्ष तक मौन रहो, ध्यान करो और भीतर के शोर को शांत करो। जब तुम्हारे भीतर की बातचीत रुक जाए, तब तुम पूछना और मैं उत्तर दूंगा। मौलुंकपुत्र दुविधा में पड़ गया। इतने प्रश्न, इतनी जिज्ञासा... और एक वर्ष का मौन! पास बैठे बुद्ध के शिष्य सारिपुत्र हंस पड़े। उन्होंने कहा - मुझे भी यही शर्त दी गई थी। मैं पांच हजार शिष्यों का गुरु था। एक वर्ष मौन रहा... और जब समय आया, तो कोई प्रश्न ही नहीं बचा। बुद्ध ने उत्तर देने का वादा निभाया, लेकिन तब मुझे कुछ पूछने की जरूरत ही नहीं रही। मौलुंकपुत्र ने मौन स्वीकार किया। एक वर्ष ध्यान में डूबा रहा। भीतर का कोलाहल शांत हुआ। प्रश्न गल गए। एक वर्ष बाद बुद्ध ने पूछा - अब तुम पूछ सकते हो। मौलुंकपुत्र मुस्कराया और बोला - अब कोई प्रश्न ही नहीं बचा।

अंतर्मन

आज की पाती

जाम से कब मिलेगा निजात

पुराना धमतरी रोड, संजय नगर से आगे बढ़ते ही जाम मिलता है। वापसी पर फिर जाम की स्थिति बनी रहती है। भाठागांव में जब से अंतर्राज्यीय बस अड्डा आया। यहां की यातायात व्यवस्था बदहाल हो गई। सड़कों पर दुकानदारों का बेजा कब्जा भी जाम की वजह बन रही है। ऐसे में लोगों को आने-जाने में दिक्कतें हो रही है। समस्या पर किसी का ध्यान नहीं है। एक-दो दिन औपचारिकता पूरी करके प्रशासन फिर मुंह फेर लेता है।

-कृष यादव, रायपुर

ट्रेंड

संविधान मिटाने की कोशिश

संविधान को मिटाने-हटाने की कोशिश भाजपाई और उनके संगी-साथी कभी रूप बदलकर करते हैं तो कभी नया मुखौटा लगाकर। पीडीए संविधान की रक्षा के लिए वचनबद्ध है क्योंकि संविधान ही हमारी ढाल और संविधान ही संजीवनी है।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

आस्था का अपमान

बिहार में राहुल गांधी ने अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत जिस तरीके से की है, वह न केवल राजनीतिक अपरिपक्वता का प्रतीक है, बल्कि बिहार और दिल्ली के करोड़ों छठ श्रद्धालुओं की लोक आस्था का अपमान है। उनका यह बयान घोर निंदनीय है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

राहुल गांधी विदेशी नेता

देशी नहीं, विदेशी नेता है राहुल गांधी। उन्होंने 2015 से 2019 के बीच 247 विदेश यात्राएं की। औसतन हर एक साल 50 से अधिक विदेशी यात्राएं। इसमें वह यात्राएं शामिल नहीं हैं जो उन्होंने चोरी से की। ऐसे नेता पर देश कभी भरोसा नहीं कर सकता।

- केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम, उप्र

मूल्यांकन और मूल्य

मूल्यांकन और मूल्य एक ही नहीं है। मूल्यांकन और वास्तविक मूल्य के बीच की विशाल खाई एक गहरी खाई की तरह इतनी चौड़ी होती जा रही है कि यह हमारे वित्तीय बाजारों को निगल सकती है।

- शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

सक्रिय रूप से यूरेनियम संवर्धन नहीं कर रहा ईरान

संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था के प्रमुख ने बताया कि ऐसा प्रतीत नहीं होता कि ईरान सक्रिय रूप से यूरेनियम का संवर्धन कर रहा है, लेकिन एजेंसी ने हाल में देश के परमाणु स्थलों पर फिर से गतिविधियां देखी हैं।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने 'एसोसिएटेड प्रेस' से कहा कि ईरानी परमाणु स्थलों तक पहुंच न होने के बावजूद, निरीक्षकों को उपग्रह चित्रों में ऐसी कोई गतिविधि नहीं दिखी है जिससे यह संकेत मिले कि इस्लामिक गणराज्य ने जून में इजराइल के साथ 12 दिन के युद्ध के बाद अपने यूरेनियम संवर्धन को पहले से अधिक तेज किया है। ग्रॉसी ने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक साक्षात्कार में कहा, हालांकि, 60 प्रतिशत संवर्धित परमाणु सामग्री अब भी ईरान में है। और यह उन बिंदुओं में से एक है जिस पर हम चर्चा कर रहे हैं क्योंकि हमें वहां वापस जाकर यह पुष्टि करनी होगी कि सामग्री वहां है और उसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए इस्तेमाल तो नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा, यह बहुत-बहुत महत्वपूर्ण है। ग्रॉसी ने कहा कि हालांकि, निरीक्षकों ने उन जगहों के आसपास गतिविधियां देखी है जहां भंडार रखा गया है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त पहुंच के बिना, आईएईए को उपग्रह चित्रों पर निर्भर रहना पड़ता है, जो केवल कुछ ही जानकारी दिखा सकते हैं।

ऑफ बीट

महाराजा चार्ल्स और महारानी कैमिला नेसडेन मंदिर पहुंचे

ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय और महारानी कैमिला ने लंदन में बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर, जिसे नेसडेन मंदिर के नाम से जाना जाता है, की 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रार्थना और धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लिया। महाराजा (76) का स्वागत मुख्य पुजारी साधु योगविवेकदास स्वामी द्वारा पारंपरिक नादचड़ी या शांति और मैत्री के प्रतीक पवित्र धागा बांधने की रस्म के साथ किया गया। प्रवेश द्वार पर अपने जूते उतारने वाले राजपरिवार के सदस्यों को मोतियों से बंधे फूलों की माला पहनाई गई, जिसके बाद उन्हें अलंकृत मंदिर परिसर का भ्रमण कराया गया – यह यूरोप का पहला पारंपरिक हिंदू पत्थर मंदिर है, जिसका उद्घाटन अगस्त 1995 में हुआ था। मंदिर के प्रमुख देवता भगवान स्वामीनारायण की पवित्र प्रतिमा पर 11 वर्षीय स्कूली छात्र देव पटेल ने पुष्पांजलि अर्पित की, जबकि महाराजा ने हाथ जोड़कर नमस्कार किया। उन्होंने दक्षिण-पूर्व लंदन से आए पटेल परिवार द्वारा भगवान स्वामीनारायण के किशोर रूप श्री नीलकंठ वर्णी महाराज के अभिषेक समारोह का अवलोकन करने के बाद आभार व्यक्त किया और उपस्थित लोगों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं। दिवाली का त्योहार 20 अक्टूबर को था। साधु योगविवेकदास ने अपने स्वागत भाषण में कहा, यह मंदिर ईश्वर का घर है।

मौसम अधिकतम तापमान 42.c
न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार
सोना 7,177/ g
चांदी 96/ g
सेंसेक्स 82,530.74
निफ्टी 25,062.10

गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित हूं, लोगों से मिलने-जुलने से बचने की सलाह दी गई: राउत

नई दिल्ली,

शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो गई हैं और उनका इलाज जारी है। साथ ही राउत ने कहा कि उन्हें लोगों से मिलने-जुलने से बचने की सलाह दी गई है। राउत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह भी उम्मीद जताई कि अगले साल तक उनका स्वास्थ्य अच्छा हो जाएगा। उन्होंने लिखा, ''आप सभी ने मुझे प्यार दिया और मुझ पर भरोसा किया। लेकिन मुझे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो गई हैं और मैं इलाज करा रहा हूं। मैं इससे उबर जाऊंगा। चिकित्सकीय सलाह के अनुसार, मुझे बाहर न निकलने और सार्वजनिक स्थानों पर न जाने की सलाह दी गई है।'' हालांकि, राउत ने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया। सत्तारूढ़ भाजपा के कटु आलोचक और महाराष्ट्र में विपक्ष की मुखर आवाज, राज्यसभा सदस्य राउत रोजाना मीडिया से बातचीत करने के लिए जाने जाते हैं।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के मौके पर पीएम मोदी बोले

पटेल का भारत सुरक्षा और सम्मान से कभी भी 'समझौता' नहीं करेगा

नई दिल्ली,

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के मौके पर गुजरात के एकता नगर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ये लौहपुरुष सरदार पटेल का भारत है, जो सुरक्षा और सम्मान से कभी समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि यह गर्व और प्रेरणा का पल है। हमने संकल्प लिया है कि हम ऐसे कार्यों को बढ़ावा देंगे, जो देश की एकता को मजबूती दें। पीएम मोदी ने कहा कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती के ऐतिहासिक अवसर पर एकता नगर में आयोजित भव्य कार्यक्रम के दौरान हम सभी एक महान क्षण के साक्षी बन रहे हैं। देशभर में हो रही 'रन फॉर यूनिटी' में कोटि-कोटि भारतीयों का उत्साह है। हम नए भारत की संकल्प शक्ति को महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज सरदार पटेल की जयंती का दिन स्वाभाविक रूप से राष्ट्रीय एकता का महापर्व बन गया है। जिस तरह हम 140 करोड़ देशवासी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाते हैं, वैसे ही एकता दिवस का महत्व हमारे लिए प्रेरणा और गर्व का पल है।

देश की एकता को कमजोर करने वालों से दूरी बनाएं, ये राष्ट्रीय कर्तव्य

नेहरू ने कश्मीर को अलग संविधान और निशान से बांट दिया

इतिहास बनाने के लिए मेहनत करें

वल्लभभाई पटेल की मूर्ति पर पीएम नरेंद्र मोदी ने पुष्पांजलि अर्पित की

पीएम मोदी ने कहा कि सरदार पटेल मानते थे कि इतिहास लिखने में समय नहीं गंवाना चाहिए, हमें तो इतिहास बनाने के लिए मेहनत करनी चाहिए। उनकी ये भावना हमें उनकी जीवनगाथा में दिखाई देती है। सरदार साहब ने जो नीतियां बनाई, जो निर्णय लिए, उन्होंने नया इतिहास रचा। आजादी के बाद 562 रियासतों को साथ जोड़ने के असंभव कार्य को सरदार साहब ने संभव करके दिखाया। एक भारत-श्रेष्ठ भारत का विचार उनके लिए सर्वोपरि था। पीएम मोदी ने देशवासियों से आग्रह किया कि हर ऐसी बात जो देश की एकता को कमजोर करती है, हर देशवासी को उससे दूर रहना है। उन्होंने कहा कि ये राष्ट्रीय कर्तव्य है, ये सरदार साहब को सच्ची श्रद्धांजलि है। यही आज देश की जरूरत है। यही आज एकता दिवस का हर भारतीय के लिए संदेश भी है, संकल्प भी है।''

देश की संप्रभुता को लेकर पूर्व की सरकारें गंभीर नहीं

कश्मीर का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि सरदार साहब ने देश की संप्रभुता को सबसे ऊपर रखा, लेकिन दुर्भाग्य से सरदार साहब के निधन के बाद के वर्षों में देश की संप्रभुता को लेकर तब की सरकारों में उतनी गंभीरता नहीं रही। एक ओर कश्मीर में हुई गलतियां, दूसरी ओर पूर्वोत्तर में पैदा हुई समस्याएं और देश में जगह-जगह पनपा नक्सलवाद-माओवादी आतंक, ये देश की संप्रभुता को सीधी चुनौतियां थीं, लेकिन उस समय की सरकारों ने सरदार साहब की नीतियों पर चलने की जगह रीढ़विहीन रवैये को चुना। इसका परिणाम देश ने हिंसा और रक्तपात के रूप में झेला।

भारत में रह रहे हर घुसपैठिए को निकालेंगे

पीएम मोदी ने कहा कि अब देश ने पहली बार इस बड़े खतरे के खिलाफ भी निर्णायक लड़ाई लड़ने की ठानी है। लाल किले से मैंने 'डेमोग्राफी मिशन' का ऐलान किया। उन्होंने यह भी कहा कि ये लौहपुरुष सरदार पटेल का भारत है। ये अपनी सुरक्षा और सम्मान से कभी समझौता नहीं करेगा। राष्ट्रीय एकता दिवस पर संकल्प यह भी है कि हम भारत में रह रहे हर घुसपैठिए को निकालकर ही रहेंगे।

कश्मीर पर कांग्रेस की गलती से देश दशकों तक जलता रहा

पीएम मोदी ने कहा कि सरदार साहब चाहते थे कि जैसे उन्होंने बाकी रियासतों का विलय किया, वैसे ही कश्मीर का विलय हो, लेकिन, नेहरू जी ने उनकी वह इच्छा पूरी नहीं होने दी। कश्मीर को अलग संविधान और अलग निशान से बांट दिया गया। कश्मीर पर कांग्रेस ने जो गलती की थी, उसकी आग में देश दशकों तक जलता रहा। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस की लचर नीतियों के कारण कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान के कब्जे में चला गया। पाकिस्तान ने आतंकवाद को हवा दी। राज्य प्रायोजित आतंकवाद की कश्मीर और देश को बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ी, लेकिन फिर भी कांग्रेस हमेशा आतंकवाद के आगे नतमस्तक रही।

एलएंडटी और जीए-एएसआई ने की पार्टनरशिप

सेना के लिए भारत में ही अब बनेंगी आधुनिक मानवरहित विमान प्रणाली

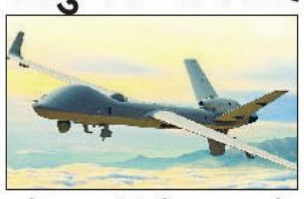

जीए-एएसआई कंपनी का एमक्यू-9बी श्रृंखला वाला ड्रोन

नई दिल्ली,

लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) और अमेरिका की जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स इंक (जीए-एएसआई) ने मिलकर एक रणनीतिक पार्टनरशिप का ऐलान किया है। ये दोनों कंपनियां अब भारत में मीडियम ऑल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस (एमएएलई) रिमोटली पाइलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम्स (आरपीएएस) बनाएंगी, जो भारतीय सेना के लिए होंगे। आसान शब्दों में अत्याधुनिक मानवरहित विमान प्रणाली का निर्माण करेंगी। ये हाई टेक ड्रोन जो ऊंचाई पर घंटों उड़कर निगरानी करते हैं और जरूरत पड़े तो हमला भी कर सकते हैं, अब पूरी तरह भारत में ही बनेंगे। जीए-एएसआई दुनिया में एडवांस्ड अनमैन्ड एरियल सिस्टम्स की ग्लोबल लीडर है।

एलएंडटी रक्षा मंत्रालय के कार्यक्रम में लेगी हिस्सा

कंपनी ने बयान में कहा कि इस गठजोड़ के तहत एलएंडटी की इंजीनियरिंग, सटीक विनिर्माण और डिफेंस-एयरोस्पेस सेक्टर में सिस्टम इंटीग्रेशन की विशेषज्ञता व जीएएसआई की परिचालन क्षमता का उपयोग किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि इस साझेदारी के तहत एलएंडटी रक्षा मंत्रालय के आगामी 87 एमएएलई आरपीएएस कार्यक्रम में भाग लेगी, जहां एलएंडटी प्रमुख बोलीदाता होगी और जीए-एएसआई प्रौद्योगिकी साझेदार होगी।

एलएंडटी को प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण होगा: एलएंडटी की ताकत डिफेंस और एयरोस्पेस में इंजीनियरिंग, प्रिसीजन मैन्युफैक्चरिंग और सिस्टम इंटीग्रेशन है। दोनों मिलकर कॉम्बैट प्लूवन एमएएलई आरपीएएस प्लेटफॉर्म्स डिलीवर करेंगे, जो पूरी तरह भारत में बने होंगे। इस प्रोग्राम में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर होगा।

एमक्यू-श्रृंखला आरएपीएस का उत्पादन संभव

इस सहयोग से जीए-एएसआई के एमक्यू-श्रृंखला आरएपीएस का उत्पादन संभव हो सकेगा, जो युद्ध में सिद्ध हैं। ये विमान विश्व भर में व्यापक रूप से कार्यरत हैं व निगरानी और हमले के अभियानों में लाखों घंटे उड़ान भर चुके हैं। एलएंडटी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एसएन सुब्रह्मण्यन ने कहा कि यह साझेदारी भारत को स्वदेशी रूप से अत्याधुनिक मानवरहित प्लेटफार्मों के निर्माण का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। यह गठबंधन भारत की रक्षा क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा और एयरोस्पेस प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता को आगे बढ़ाएगा।

खरगे ने नेहरू और सरदार पटेल के बीच मतभेद के मनगढ़ंत भाजपा के दावों की खोली पोल

नई दिल्ली,

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा आरएसएस पर लगाए गए प्रतिबंध की याद दिलाते हुए कहा कि उनकी व्यक्तिगत राय में फिर से संघ पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, क्योंकि देश में ज्यादातर कानून-व्यवस्था की समस्याएं भाजपा-आरएसएस की वजह से पैदा हो रही हैं। यह बात खरगे ने शुक्रवार को नई दिल्ली में पटेल की 150वीं जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 41वें बलिदान दिवस के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में कही। इस मौके पर पार्टी के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश भी मौजूद थे। दोनों महान नेताओं को श्रद्धांजलि देते हुए खरगे ने कहा कि 'आयरन मैन' सरदार पटेल ने देश को एकजुट किया, जबकि 'आयरन लेडी' इंदिरा गांधी ने उस एकता को बनाए रखने के लिए अपना बलिदान दिया। यह कांग्रेस का इतिहास और देश के प्रति उसका योगदान है। खरगे ने पटेल के उन बयानों का हवाला दिया, जिनमें उन्होंने महात्मा गांधी की हत्या के लिए आरएसएस द्वारा फैलाए गए सांप्रदायिकता के जहर को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने पटेल द्वारा 1948 में श्यामाप्रसाद मुखर्जी और गुरु गोलवलकर को लिखे गए पत्रों का उल्लेख किया।

जो सच है, वह हमेशा जीवित रहेगा

खरगे ने मोदी सरकार पर इतिहास को तोड़ मोड़कर पेश करने और बदलने का प्रयास करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने हाल ही में एनसीआरईटी की किताबों से गांधी, गोडसे, आरएसएस और 2002 के गुजरात दंगों से जुड़े अंशों को हटाए जाने का जिक्र किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि जो सच है, वह हमेशा जीवित रहेगा और तमाम कोशिशों के बावजूद वह मिटेगा नहीं। खरगे ने बताया कि सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस और जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठनों से जुड़ाव पर रोक लगा दी गई थी। उन्होंने कहा कि 9 जुलाई 2024 को मोदी सरकार ने यह प्रतिबंध हटा दिया, जिससे अब सरकारी कर्मचारियों को आरएसएस की गतिविधियों से जुड़ने की अनुमति मिल गई है।

भारत से दुश्मनी पड़ रही महंगी

दुबई से भारतीय चावल महंगे दाम में खरीद रही है बांग्लादेश की सरकार

नई दिल्ली,

अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस

मोहम्मद यूनुस की बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का प्रमुख बनने के बाद से ही नई दिल्ली और ढाका के बीच संबंधों में खटास आ गई। इसके बाद भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ कई कड़े एक्शन लिए। अब बांग्लादेश को महंगे दाम में चावल खरीदना पड़ रहा है। वह अब दुबई के जरिए भारत का ही चावल महंगी कीमत पर लेना पड़ रहा है। बांग्लादेश के खाद्य विभाग ने इस बात की पुष्टि की है कि वह जो चावल दुबई से खरीद रहा है, वह असल में भारतीय ही है। ऐसे में बांग्लादेश के हैरान लोगों ने भी सवाल खड़े किए हैं कि आखिर में भारत का चावल, भारत के बजाए दुबई से क्यों खरीदा जा रहा। यह तो पैसों की बर्बादी है। बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय के अनुसार 50,000 टन पारबॉयल्ड चावल म्यांमार से और 50,000 टन नॉन-बासमती पारबॉयल्ड चावल दुबई से आएगा, जिसकी कुल कीमत 323 करोड़ होगी। दुबई के जरिए चावल इंपोर्ट करने पर एक्स्ट्रा खर्च आ रहा है, जो जनता के पैसे की बर्बादी है। दुबई भारत से चावल इंपोर्ट करता है।

तीनों सेनाओं को बड़ा युद्धाभ्यास 'त्रिशूल 2025' शुरू

नई दिल्ली। भारत ने गुरुवार से अपने तीनों सैन्य बलों - थलसेना, नौसेना और वायुसेना - के साथ मिलकर 'त्रिशूल 2025' नाम का एक बहुत बड़ा युद्ध अभ्यास शुरू किया है। यह अभ्यास गुजरात और राजस्थान के इलाकों में हो रहा है। अभ्यास 10 नवंबर तक चरणबद्ध तरीके से चलेगा। मुख्य गतिविधियां गुजरात के कच्छ क्षेत्र में केंद्रित हैं, जो पाकिस्तान के साथ सर क्रीक सीमा के पास एक संवेदनशील जगह है। अभ्यास में थलसेना टी-90 टैंक, ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल सिस्टम, साथ ही प्रचंड अटैक हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल कर रही है। वायुसेना राफेल और सुखोई सु-30 लड़ाकू विमान, सी गार्जियन और हेरॉन ड्रोन का उपयोग करेगी। नौसेना कोलकाता-क्लास डेस्ट्रॉयर, नीलगिरी-क्लास फ्रिगेट और तेज हमला करने वाली नावें समुद्री अभ्यास में शामिल होंगी।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) राजपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छत्तीसगढ़)
क्रमांक/1682/वाचक/अ०वि०अ०/2025
राजपुर, दिनाँक 30/10/2025
रा०प्र०क्र०-/अ-2/2025-26
ग्राम ककना, प०ह०नं० 27, उप तहसील बरियों
-: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम ककना को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सीमा गोयल पति अनिल कुमार गोयल उम्र 52 वर्ष जाति अग्रवाल निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० व सरिता अग्रवाल आ० तुलसी राम अग्रवाल उम्र 55 वर्ष जाति अग्रवाल निवासी एम०जी०रोड़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० दोनों पार्टनर (मेसर्स वायुनंदन इंडस्ट्रीज छछढ) द्वारा ग्राम ककना, प०ह०नं०- 27, रा०नि०म० बरियों में स्थित स्वामित्व हक की भूमि खसरा नं0- 4, 6 रकबा क्रमशः 1.1930हे0, 0.4660हे0 में से रकबा 0.7640 हे0, 0.2880हे0 भूमि को कृषि प्रयोजन से भिन्न औद्योगिक प्रयोजन में व्यपवर्तन कराने बावत आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति, या संस्था को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वयं या किसी मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के माध्यम में अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में दिनाँक 14/11/2025 न्यायालयीन समय में पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात्प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनाँक 30/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन मुद्रा द्वारा जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
राजपुर
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) राजपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छत्तीसगढ़)
क्रमांक/1686 वाचक /अ०वि०अ० /2025
राजपुर, दिनाँक 30/10/2025
रा०प्र०क्र०-/अ-2/2025-26
ग्राम ककना, प०ह०नं० 27, उप तहसील बरियों
-:: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम ककना को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सीमा गोयल पति अनिल कुमार गोयल उम्र 52 वर्ष जाति अग्रवाल निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० व सरिता अग्रवाल आ० तुलसी राम अग्रवाल उम्र 55 वर्ष जाति अग्रवाल निवासी एम०जी०रोड़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० दोनों पार्टनर (मेसर्स वायुनंदन इंडस्ट्रीज छछढ) द्वारा ग्राम ककना, प०ह०नं०- 27, रा०नि०म० बरियों में स्थित स्वामित्व हक की भूमि खसरा नं0- 4, 6 रकबा क्रमशः 1.1930 हे0, 0.4660हे0 में से रकबा 0.4290हे0, 0.1780हे0 भूमि को कृषि प्रयोजन से भिन्न व्यावसायिक प्रयोजन (वेयर हाउस) में व्यपवर्तन कराने बावत आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति, या संस्था को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वयं या किसी मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के माध्यम में अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में दिनाँक 14/11/2025 न्यायालयीन समय में पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात्प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनाँक 30/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन मुद्रा द्वारा जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
राजपुर
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०)

न्यायालय नायब तहसीलदार भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०)
//ईश्तहार//

आम जनता ग्राम खाड़ापारा प०ह०नं0-03 रा०नि०गं०-भैयाथान तहसील भैयाथान जिला-सूरजपुर (छ०ग०) को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण भूलेश्वर आ० महेश्वर उर्फ फेकू वगै० जाति कोइरी निवासी ग्राम-खाड़ापारा तहसील-भैयाथान जिला-सूरजपुर (छ०ग०) के द्वारा ग्राम-खाड़ापारा में स्थित भूमि खसरा नं0-688/3 रकबा 0.49 हे० भूमि स्थित है जो कि आवेदक के पिता फेकू के नाग पर दर्ज है जिनका वास्तविक नाम महेश्वर है। महेश्वर का ही नाम फेकू है, जिनकी मृत्यु दिनांक-07.06.2019 को हो चुका है जिससे आवेदकगण द्वारा अपने पिता के उक्त वादभूमि को अपने नाम पर फौती नामांतरण किये जाने बावत आवेदन प्रस्तुत किया गया है, यो कि उक्त प्रकरण भूईया आईडी से प्राप्त हुआ है। अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी हितबद्ध पक्षकार/व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक-11/11/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात्प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं तद्अनुसार कार्यवाही कर दिया जावेगा। आज दिनांक- 28/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया है।

नायब तहसीलदार
भैयाथान
जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय लिंक कोर्ट देवनगर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ०ग०)
//ईश्तहार//
रा०प्र०क०/ब-121/2021-22-25

ग्राम बरौल के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रविशंकर आ. बाबुलाल जाति राजवार निवासी ग्राम बरौल लिंक कोर्ट देवनगर तहसील रामानुजनगर जिला-सूरजपुर छ0ग0 द्वारा अपने दादी स्व. रजमेन का विलम्ब मृत्यू प्रमाण पत्र पंजीयन कराने बावत अनुलब्धता प्रमाण पत्र मय अन्य सहायक दास्तावेज के साथ न्यायलय में आवेदन पत्र पेश किया गया। मृत्यु दिनांक 23/6/2024 अतः उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वम। अथवा किसी विविध प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 6/11/2025 को न्यायीलयीन समयवधि में उपस्थित किर दावा / आपत्ति पेश कर सकतें है। उसके पयचात दावा आपत्ति में कोई विचार नही किया जायेगा। आज दिनांक 23/10/2025 को न्यायलीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया।

नायब तहसीलदार
लिंक कोर्ट देवनगर

कार्यालय नायब तहसीलदार बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ.ग.)
//ईश्तहार//

सर्व साधारण ग्राम नरकेली राजस्व निरिक्षक बडगांव तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ.ग. तथा हितबद्ध पक्षकारों को सुचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती दुलेश्वरी तिवारी पति राजेन्द्र प्रशाद तिवारी निवासी ग्राम जगदीशपुर जिला सूरजपुर एवं शांति पाण्डेय पति श्याम कार्तिक राम पाण्डेय निवासी दसौती जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश जाति ब्राह्मण के द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदिकागणों के द्वारा चंद्रिका प्रसाद आ. इंद्रदेव वगेरह के नाम से संयुक्त खाते की कृषि भूमि ग्राम डोभापानी प.ह.नं. 18 में खसरा नंबर 285, 295 रकबा 0.4500, 1.6000 हेक्टेयर फुल रकबा 2.0500 हेक्टेयर स्थित है, उक्त दर्शित भूमि आवेदकगणों की पैतृक भूमि में पिता इंद्रदेव के मृत्यु पश्चात वैद्ध पुत्री होने से राजस्व प्रपत्रों में अपना नाम जुड़वाने हेतु आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड, खसरा, बी-1 की छाया प्रति संलग्न किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को भी आपत्ति हो तो वह 13/11/2025 तक स्वयं अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभावक के द्वारा इस न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त पत्तियों पर कोई विचार विमर्श नहीं किया जाएगा।

तहसीलदार बैकुण्ठपुर
जिला कोरिया छ.ग.

न्यायालय तहसीलदार रामानुजनगर
//ईश्तहार//

तहसीलदार रामानुजनगर के प.ह.नं. 00020 के अंतर्गत वर्तमान भूमि स्वामी शिवकुमार राजवाड़े पिता/पति रामधन राजवाड़े पता निवासी बरबसपुर, मीरा पिता/पति यशवंत राजवाड़े पता निवासी बैकुंठपुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 468/2(0.2100) में प्रस्तावित भूमिस्वामि मीरा पिता/पति यशवंत राजवाड़े पता निवासी बैकुंठपुर, शिवकुमार राजवाड़े पिता/पति रामधन राजवाड़े पता निवासी बरबसपुर के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरुस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 03/11/2025 को सुबह 11:00 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार रामानुजनगर पर की जाएगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दवा आपत्ति हो तो इशितहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं अधिवक्ता/ आममुख्तियार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार विमर्श नहीं किया जाएगा।

तहसीलदार
रामानुजनगर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202510020700076/
विषयः- अ-6
मामले की श्रेणीः राजस्व
सनः- 2025-2026
नमना कला प.ह.न. 00020 [518/28(0.0320हे0)]
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- खुशबू पटेल, अनावेदक पक्षकार -शिवशंकर प्रसाद गुप्ता,

ईश्तहार

आवेदक खुशबू पटेल पुत्री रामकृष्ण पटेल व अन्य निवासी वार्ड क्रमांक 9 ढोढी बस्तीकला तहसील रामानुजगंज जिला बलरामपुर छ०ग० के द्वारा ग्राम नगनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 518/28 रकबा 0.032 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 12.02.2008 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/10/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील- अम्बिकापुर

राष्ट्रीय एकता दिवस पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन चेंबूर पुलिस ठाणे की सराहनीय पहल

मुंबई, :- राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर चेंबूर पुलिस ठाणे की ओर से आज 'रन फॉर यूनिटी' का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समीर शेख पुलिस उपायुक्त, परिमंडल 06 प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता, भाईचारा और देशभक्ति का संदेश देना था। इस 'रन फॉर यूनिटी' में लगभग 500 पुलिस अधिकारी, अंमलदार तथा महिला और पुरुष कर्मचारी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दौड़ की शुरूआत फाइन आर्ट्स से शुरू, जैन मंदिर, से होते हुए चेंबूर नाका से वापस माता रमाबाई आंबेडकर प्रस्तुती गृह दवाखाना मार्ग, से होते हुए फाइन आर्ट्स पर समाप्त हुआ।

भाजपाइयों ने अपने अपने बूथ मनाया सरदार वल्लभ पटेल की जयंती दिया श्रद्धांजलि

महराजगंज जनपद के विधानसभा क्षेत्र के परतावल बूथ संख्या 375 में युवा नेता पनियरा विधानसभा प्रेमशंकर उर्फ निर्भय सिंह ने देश की एकता, अखंडता और अटूट राष्ट्रभावना के शिल्पकार, लौहपुरुष, भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल जी की जयंती के अवसर पर उनकी चित्र पर माल्यार्पण कर सादर नमन किया। साथ में मण्डल अध्यक्ष विवेक पटेल, मंडल महामंत्री अजय गौतम, मण्डल उपाध्यक्ष योगेंद्र पाण्डेय, शक्ति केंद्र प्रमुख तेज प्रताप मोदनवाल, शक्ति केंद्र प्रभारी गौरव पटेल, कार्यकर्ता कन्हैया मद्धेशिया, अध्यापक आशुतोष पटेल, विधायक मीडिया प्रभारी कौशल श्रीवास्तव सहित अन्य रहें।

रोचक / शिखर चंद जैन

बच्चों के मन को भाती प्यारी-अनोखी डॉल्स

बच्चो, तुम सभी को डॉल्स यानी गुड़ियों से खेलने में बहुत मजा आता होगा, है न! तुम ही नहीं दुनिया के अनेक देशों में रहने वाले बच्चे भी डॉल्स के संग खेलना पसंद करते हैं। जानो, देश-दुनिया में फेमस कुछ प्यारी-अनोखी डॉल्स के बारे में।

अमेरिका की बार्बी डॉल्स

बार्बी डॉल को अमेरिका की बिजनेस वूमेन रूथ हैंडलर ने 1959 में तैयार किया था। पहली बार्बी डॉल ने चमकीले लाल होंठों के साथ एक स्मार्ट काले और सफेद धारीदार छोटी पोशाक पहनी थी, जो हॉलीवुड एक्ट्रेस मर्लिन मुनरो से प्रेरित थी। धीरे-धीरे बार्बी डॉल्स लोगों, खासकर बच्चों के बीच लोकप्रिय होने लगी। आज बार्बी डॉल केवल अमेरिका ही नहीं दुनिया भर के अनेक देशों में सबसे अधिक पसंद की जाने वाली डॉल मानी जाती है। *

कर्नाटक की चन्नापटना डॉल्स

चन्नापटना खिलौने, लकड़ी से बनने वाले खिलौने और गुड़िया का एक विशेष रूप है, जो कर्नाटक के रामनगर जिले के चन्नापटना शहर में निर्मित किए जाते हैं। चन्नापटना को गोम्बेगाला ऊरू यानी खिलौनों के शहर के नाम से भी जाना जाता है। इन लकड़ी के खिलौनों को चन्नापटना में लाने का श्रेय मैसूर के शासक टीपू सुल्तान को दिया जाता है। उन्होंने स्थानीय कलाकारों को लकड़ी के खिलौने बनाने का प्रशिक्षण देने के लिए फारस से कलाकारों को आमंत्रित किया था, जिससे इस उद्योग को स्थानीय स्तर पर फलने-फूलने में मदद मिली। चन्नापटना खिलौने पूरी तरह रसायन मुक्त यानी केमिकल फ्री होते हैं। इन्हें सब्जियों और पौधों से निकाले गए जैविक रंगों और प्राकृतिक रंगों से रंगा जाता है। आजकल इन्हें बनाने में चंदन और आम की लकड़ी का उपयोग किया जाता है। इनका आकार अधिकतर गोल और कुंद किनारों वाले घनाकार होता है, इसलिए ये बच्चों के लिए पूरी तरह सुरक्षित हैं। चन्नापटना ट्वॉयज को जीआई टैग प्राप्त है। *

जापान की दारुमा डॉल्स

दारुमा, एक पारंपरिक गोल, खोखली डॉल है। यह लचीलेपन, सौभाग्य और आध्यात्मिक एकाग्रता का प्रतीक है। आमतौर पर इनका रंग लाल होता है, लेकिन इसके डिजाइन अलग-अलग होते हैं। इसकी खासियत यह है कि इसकी आंखों में पुतलियां (प्यूपिल्स) नहीं होतीं। लोग इस डॉल से अपनी विश मांगते हैं, जब उनकी विश पूरी हो जाती है तो वे इसकी आंखों में कलर भरते हैं और इसकी पुतलियां बनाते हैं। यह डॉल सफलता तक हार न मानने के लिए प्रचलित एक जापानी मुहावरे 'सात बार गिरती है, आठ बार उठती है' का प्रतीक है। इस डॉल को अगर तुम गिराओगे, तो यह गिरने के बाद फिर से सीधी खड़ी हो जाती है। जापान में नए साल की शुरुआत में लोग दारुमा डॉल्स खरीदते हैं। इसकी एक पुतली पर रंग भरते हुए अपनी कोई इच्छा (विश) मांगते हैं। जब वह इच्छा पूरी हो जाती है, तो गुड़िया की दूसरी पुतली पर भी रंग भर दिया जाता है। इस डॉल को जापान में 'लकी चार्म' माना जाता है। *

आंध्र प्रदेश की कोंडापल्ली डॉल्स

कोंडापल्ली खिलौने या कोंडापल्ली डॉल्स का इतिहास बड़ा ही दिलचस्प है। 16वीं शताब्दी में जब आर्य क्षत्रियों का समुदाय राजस्थान से कोंडापल्ली आया था तो वे अपने साथ खिलौने बनाने की कला भी लाए। पौराणिक मान्यता है कि उन्हें इसे बनाने का कौशल भगवान शिव ने सिखाया था। मंदिरों में इन खिलौनों को कोंडापल्ली बमालू कहा जाता है। ये खिलौने ग्रामीण भारत और हिंदू देवताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये खिलौने टेला पोनिकी (सफेद चंदन की लकड़ी) के बने होते हैं। कोंडापल्ली गुड़िया या खिलौने को बड़ी खूबसूरती से तराशा और रंगा जाता है। अंतिम चरण में इसे अलसी के तेल में डाला जाता है, जिससे यह पानी से खराब नहीं होती। कोंडापल्ली डॉल के एक सेट में 24 डॉल्स मौजूद होती हैं। ये डॉल्स ग्रामीण समाज के विभिन्न वर्गों, जैसे- मछुआरे, पुजारी, जनजातीय लोग, किसान, संगीतकार आदि का चित्रण करती हैं। कई बार इन डॉल्स को कुछ इस तरह बनाया जाता है कि इसके टुकड़े जैसे- शरीर, सिर, कान, सूंड़ और पूंछ आदि अलग-अलग बने होते हैं और फिर उन्हें सोने के तार से जोड़ा जाता है। कोंडापल्ली डॉल्स, आंध्र प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा हैं। कोंडापल्ली डॉल्स आंध्र प्रदेश के जीआई टैग हस्तशिल्प के रूप में भी पंजीकृत हैं। *

बच्चो, हनी बेजर इतना बुद्धिमान, बेखौफ और जुझारू एनिमल है कि जंगल का राजा शेर भी आमतौर पर इससे नहीं टकराता! आकार में छोटे, लेकिन साहस, बुद्धि और ताकत से भरपूर इस अनोखे जंतु के बारे में जानो कुछ अमेजिंग-इंटरेस्टिंग बातें।

बुद्धिमान-साहसी-निडर हनी बेजर

अनोखा जंतु

रेखा शाह आरबी

बच्चो, जंगल में एक से एक आक्रामक, शिकारी और जहरीले जीव-जंतु निवास करते हैं। जंगलों में ही पाया जाने वाला हनी बेजर कई सारी खूबियों से युक्त एक लड़ाका (फाइटर) और बेखौफ जानवर है।

नहीं डरता किसी से: हनी बेजर एक निडर शिकारी जानवर है। जंगल का कोई भी जानवर, चाहे वो कितना भी विशाल, शक्तिशाली या जहरीला क्यों न हो, अगर इससे टकराए, तो यह पलटकर जोरदार वार करता है। यह इतना शक्तिशाली होता है कि कछुए के मजबूत खोल को अपने जबड़े से चीर-फाड़ देता है। यह अपनी मोटी खाल, नुकीले दांत और शक्तिशाली लंबे पंजे के बल पर अपने दुश्मनों को तगड़ी चुनौती देने की ताकत रखता है। आमतौर पर शेर भी हनी बेजर का शिकार नहीं करता, क्योंकि यह देर तक शेर का सामना करने की हिम्मत और ताकत रखता है।

निवास-शारीरिक बनावट और जीवन कालः हनी बेजर का वैज्ञानिक नाम 'मेलिवोरा कैपेंसिस' है। यह भारतीय उपमहाद्वीप से लेकर दक्षिण पश्चिम-एशिया और अफ्रीका में पाया जाता है। भारत में इसे 'बिज्जु' भी कहा जाता है। अपने देश में यह मुख्य रूप से उत्तर भारत के तालाब, नदियों के कगारों पर 25-30 फुट लंबी मांद बनाकर रहता है।

शारीरिक बनावट की बात करें, तो हनी बैजर के शरीर का ऊपरी भाग भूरा, बगल और पेट काला, माथे पर सफेद चौड़ी धारी होती है। इसकी त्वचा बहुत अधिक मोटी (गैंडा, जिराफ, भैंस जैसे जानवरों से भी अधिक मोटी) होती है। इसके पैरों में 5 मजबूत नाखून होते हैं, जो इसे जमीन खोदने में और मांद बनाने में मदद करते हैं। आमतौर पर वयस्क नर हनी बेजर का वजन 9 से 16 किलोग्राम और मादा हनी बेजर का वजन 5 से 10 किलोग्राम होता है। इसकी अनुकूलन क्षमता इसे अलग-अलग और कठोर परिस्थितियों में भी जीवित रहने में सक्षम बनाती है। हनी बेजर लगभग 24 वर्षों तक जीवित रहता है।

हनी बेजर बहुत बुद्धिमान भी होता है। यह शतुरमुर्ग के अंडों को तोड़ने के लिए पत्थरों का इस्तेमाल करता है। यह दीमक के टीलों पर जाकर लकड़ियां ठोकने के लिए भी पत्थर का इस्तेमाल करता है। *

बुद्धिमान और माहिर शिकारी

हनी बेजर मूल रूप से सांप, बिच्छू, पक्षी, कीड़े, छोटे स्तनधारी, वनस्पति और फल खाता है। हनी बेजर मुश्किल से मुश्किल हालातों में भी भोजन ढूंढ़ने में माहिर होता है। यह दबे हुए शिकार को खोदकर निकाल लेता है। शहद और लार्वा के लिए मधुमक्खियों के छत्ते पर धावा बोल देता है। शिकार कौशल के अलावा यह भागने में भी माहिर होता है। जरूरत पड़ने पर पेड़ों पर चढ़ सकता है। पानी में तैर भी सकता है। मतलब कि यह हर सिचुएशन के हिसाब से अपने आप को ढाल लेता है।

कविता / डॉ. फहीम अहमद

गौरैया

अच्छी लगती है गौरैया,
चीं-चीं की यह तेरी धुन!
तिनका-तिनका जोड़ सुहाना
नीड़ बना लेती कैसे?
नन्हा-मुन्ना घर बनने में,
लगते नहीं तनिक पैसे।
मुझे सिखा दे यही कला तू
मेरी इतनी विनती सुन!
सूरज के उगने से पहले,
नींद तुम्हारी खुल जाती।
मीठी-मीठी हवा बहे तो,
काया तेरी धुल जाती।
बैठ डाल पर चुपके-चुपके,

नई सुबह के सपने बुन!
यहां-वहां से, कहां-कहां से,
लाती है तू चुन-चुन के।
लाकर रोज खिलाती है तू
बच्चों को दाने-दुनके।
मुझे बहुत अच्छा लगता यह
तेरा मेहनत वाला गुन!

हंसगुल्ले

मोनू : इस बार दिवाली पर मैंने एक सैंकेट छोड़ा तो वो सीधा आकाश से जा टकराया।
सोनू (हैरानी से) : अरे! फिर क्या हुआ?
मोनू : फिर क्या, आकाश की मम्मी ने मुझे खूब डांटा और मेरी मम्मी से भी मेरी शिकायत कर दी।
-संभव, रायपुर

चिंटू : अगर आलू किसी की हेल्प करे तो उसे क्या कहेंगे?
मिंटू : क्या कहेंगे?
चिंटू : दयालु।
-पलक, बिलासपुर

सोनू : ऐसी कौन-सी चाय है, जिसे पीने के बाद बहुत बुरा लगता है?
मोनू (देर तक सोचने के बाद) : मुझे नहीं पता, तुम बता दो।
सोनू : गिल्टी।
-कोमल, दुर्ग

जीके क्विज-177

1. किस विश्वप्रसिद्ध फुटबॉलर को साल 2025 का गोल्डन बूट अवार्ड मिला?
2. हाल ही में कहां दीपावली के अवसर पर 26 लाख से भी अधिक दीये जलाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया?
3. सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को किस दिवस के रूप में मनाते हैं?
4. पिछले दिनों किस तिथि को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया गया?
5. विश्व प्रसिद्ध पुष्कर मेला किस राज्य में आयोजित होता है?
6. कौन-सा जीवाणु (बैक्टीरिया) दूध को दही में बदल देता है?
7. स्वतंत्र भारत के प्रथम रेल मंत्री कौन बने थे?
8. टेलीस्कोप (दूरबीन) की खोज किसने की थी?
9. विक्टोरिया मेमोरियल भारत के किस शहर में स्थित है?
10. प्रसिद्ध हिंदी उपन्यास 'गोदान' के लेखक कौन हैं?

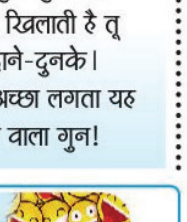

बच्चों, जीके क्विज-177 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-176 का उत्तर : 1.मारिया कोरिना मचाडो, 2.ज्ञानेश कुमार, 3.संयुक्त राज्य अमेरिका, 4.न्यूटन, 5.शतरंज, 6.विटामिन ए, 7.दुग्ध उत्पादन, 8.इंदिरा प्वॉइंट, 9.अरुणाचल प्रदेश, 10.लैक्टोमीटर

जीके क्विज-176 का सही उत्तर देने वाले : तनिष्क-राजनांदगांव, कबीर-हिसार, आद्या-उमरिया, अविनाश-ईमेल से, रमेश-बैकुंठपुर, रजनी-बलरामपुर, श्रद्धा-ईमेल से, कुसुम-बेमेतरा, प्रियांक-बलौदा बाजार, सोहम-कांकेर

कहानी

क्षमा शर्मा

नन्हे अंतरिक्ष ने इतनी जोरों से किक मारी कि उसकी फुटबॉल ना जाने कहां गायब हो गई। दादाजी ने कहा कि लगता है स्पेसशिप बनकर चांद पर चली गई है। यह सुनकर भोले-भाले अंतरिक्ष ने भी फुटबॉल पर बैठकर स्पेस पर जाने की सोची। स्वयं ही नहीं, घर के और लोगों को भी स्पेस पर ले जाने की सोची। लेकिन अंतरिक्ष की फुटबॉल गई कहां, क्या वह उसे मिली? पढ़ो, बहुत मजेदार कहानी।

अंतरिक्ष की फुटबॉल

अंतरिक्ष के बड़े से बगीचे में तरह-तरह के गुलाब, लाल-पीले गेंदे और गुड़हल के गुलाबी फूल खिले हुए थे। बगीचे में हरी-हरी घास थी। शाम के समय कभी पापा, कभी बुआ, कभी मम्मा के साथ अंतरिक्ष टेनिस, बैडमिंटन या फुटबॉल खेलता था। टीवी पर फुटबॉल खिलाड़ियों को देख वैसे ही करतब करने की कोशिश करता। वह अकसर अपने दादाजी से बोलता, 'मैं रोनाल्डो बनूंगा, ऐसे गोल मारूंगा।' कहकर वह अपनी फुटबॉल की तरफ दौड़ता और जोर से किक जमाता। फुटबॉल कभी ऊपर टेरेस पर गिरती, कभी नीम के पेड़ में उलझ जाती। एक रात जब आसमान में पूरा चांद उगा था, अंतरिक्ष ने खेल-खेल में फुटबॉल उछाली, तो वह कहीं अटक गई। उसने फुटबॉल खोजने की कोशिश की लेकिन नहीं मिली।

'कहां गई?' अंतरिक्ष ने मम्मा से पूछा। वह बोलीं, 'कहां गई होगी, बाहर चली गई होगी। अब सवेरे जाकर खोजना।'

बुआ ने कहा, 'क्या पता आसमान में जो एक बड़ा पक्षी उड़ता हुआ दिख रहा था, वही उसे अपनी चोंच में दबाकर उड़ गया हो।'

दादाजी बोले, 'अरे वो पक्षी नहीं, वो जो तीन खरगोश बगीचे में घूमते हैं, हो सकता है, उनमें से कोई उसे मुंह में दबाकर भाग गया हो। अपने बच्चों और दोस्तों के साथ खेल रहा हो।' पापा ने बहुत अलग बात कही, 'मुझे तो लगता है, इसकी फुटबॉल स्पेसशिप बनकर चांद पर चली गई है।'

'स्पेसशिप..!' अंतरिक्ष मुस्कराया फिर कुछ सोचता हुआ बोला, 'अगर मैं उस पर बैठा होता तो मैं भी चांद पर चला जाता।' उसकी बात सुन पापा हंसे। 'ठीक है, मैं अपनी दूसरी फुटबॉल लाता हूं। वह भी स्पेसशिप बन जाएगी। मैं दादाजी के साथ

उस पर बैठकर चांद पर जाऊंगा।' अंतरिक्ष ने चहकते हुए कहा। 'फिर वहां क्या करोगे?' पापा ने पूछा। 'दादाजी से मैथ्स पढ़ूंगा। होमवर्क भी कर लूंगा। सुना है चांद पर आइसक्रीम के पहाड़ हैं। खूब आइसक्रीम भी खाऊंगा। आपके लिए भी ले आऊंगा।' अंतरिक्ष ने मजे से जवाब दिया। 'और जब नींद आएगी तो..?' दादी ने पूछा। 'नींद आएगी तो सो जाऊंगा।' अंतरिक्ष ने झट से जवाब दिया। 'मगर कैसे सोओगे। तुम्हें तो तब तक नींद ही नहीं आती, जब तक अपने बिस्तर पर न सोओ। और मम्मा तुम्हें कोई कहानी न सुनाए।' दादी बोलीं। अंतरिक्ष तुरंत बोला, 'वहां मेरे दादाजी होंगे न। वो कहानी सुना देंगे।' अंतरिक्ष एक पल रुककर यह भी बोला, 'मेरे साथ मम्मा, पापा, दादी, मेरी बुआ सब साथ चलेंगे। पूरी छुट्टियां हम वहीं रहेंगे।' 'जितना बड़ा तू, उससे छोटी तेरी फुटबॉल। उसमें बैठकर कौन-कौन जाएगा? उसके लिए तो असली वाला स्पेसशिप लाना पड़ेगा। लेकिन कहां मिलेगा स्पेसशिप?' दादाजी ने पूछा।

'पापा दिलवा देंगे मुझे। मैं उसे चलाना भी सीख लूंगा।' अंतरिक्ष बोला। तभी बगीचे में खड़-खड़ सुनाई दी। देखा कि एक खरगोश गमले में लगी गोभी को खाने के लिए चढ़ा था। उसने दूसरा गमला गिरा दिया। गमला टूट गया था। सारी मिट्टी बिखर गई। 'दादाजी खरगोश!' अंतरिक्ष चिल्लाया। दादाजी बाहर आए और जोर-जोर से खरगोश को डांटते हुए पड़ने लगे 'क्यों भई, अंतरिक्ष की फुटबॉल कहां छिपाकर आए हो? जल्दी वापस लाओ। तुम्हें मालूम नहीं, उसे अपनी फुटबॉल से स्पेसशिप बनाना है और चांद पर जाना है।' कहते हुए दादाजी खरगोश की तरफ बढ़े, तो वह भागकर गमले के पीछे छिप गया और मौका पाते ही गायब हो गया। दादाजी बोले, 'देखो तुम्हारी फुटबॉल लेने गया है। अभी दे जाएगा।' 'लेकिन वह तो चांद पर चली गई।' अंतरिक्ष ने अपनी गोल गोल आंखें घुमाईं। 'क्या पता न गई हो। इसके पास हो। नहीं लाया, तो हो सकता है, जो तुम कह रहे हो वही ठीक हो।' दादाजी को अंतरिक्ष से फुटबॉल की बातें करते बहुत मजा आ रहा था। 'अंतरिक्ष आकर दूध पियो। सोने का समय हो गया। सबेरे टेनिस खेलने जाना है।' मम्मा कह रही थीं।

पापा उसके लिए दूध ले आए। अपने कमरे की तरफ बढ़ते हुए अंतरिक्ष रह-रह कर चांद को देख रहा था। उसे लग रहा था कि गोल चांद ही कहीं उसकी फुटबॉल तो नहीं। वह सोते वक्त बार-बार मम्मा से यही पूछ रहा था, 'अगर फुटबॉल चांद बन गई है, तो वह पीली कैसे हो गई? वह तो लाल थी और इतनी चमक क्यों रही है?' अंतरिक्ष के सोने के बाद दादाजी बाहर गए तो पड़ोस की सिंधु आंटी पेड़ों के बीच से झांकती हुई बोलीं, 'अरे, यह अंतरिक्ष की फुटबॉल हमारे ड्रम में आकर गिर गई थी। अभी पानी निकालने लगे तो दिखाई दी।' पापा ने उसे अंतरिक्ष की कुर्सी पर रख दिया। दादी बोलीं, 'सबेरे उठेगा तो पूछेगा कहां से आई?' 'कह देंगे कि चांद आकर दे गया। कह गया है कि एक रात वह अंतरिक्ष को खुद आकर ले जाएगा।' बुआ ने हंसते हुए धीरे से कहा। रात बहुत हो गई थी। अंतरिक्ष भी मीठे सपनों में खोया था। वह हाथ-पांव फेंक रहा था, जैसे कि फुटबॉल के पीछे दौड़ रहा हो। *

कविता

सूर्यकुमार पांडेय

हम अच्छे इंसान बनें

बनना है तो चांद बनें,
शीतलता बिखरा दें हम ।
बनना है तो पवन बनें,
घर-घर मस्ती ला दें हम।
बनना है तो धूप बनें,
सबमें गरमाहट भर दें।
बनना है तो मेघ बनें,
धरती पर बारिश कर दें।
बनना है तो फूल बनें,
सभी ओर खुशबू बिखरे।
बनना है तो रूप बनें,
जो हर रोज नया निखरे।
अगर चाहते हैं दुनिया में,
हम भी बड़े-महान बनें।
उसकी पहली शर्त यही है,
हम अच्छे इंसान बनें।

रंग भरो-188

रंग भरो-188 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

मयंक, गुना

तमन्ना, कोरबा

ईशान, ईमेल से

हितांक्षी, महेंद्रगढ़

आस्तिका, वापा

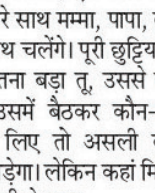

आन्या, दुर्ग

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

अनिकेत-बिलासपुर, प्रियंका-रायपुर, राजन-भोपाल, कोमल-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, कुसुम-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, सोहम-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, राकेश-बालोद, साकेत-हिसार

रंग भरो 189

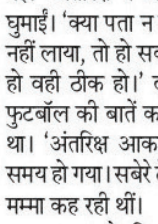

बच्चो, यहां एक लड़के और जिराफ का एक प्यारा-सा ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेक्टर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

आज से होगा तीन दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव का भव्य रंगारंग आयोजन

0 मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े करेंगी स्टेडियम ग्राउंड में आयोजन का शुभारंभ
0 सांस्कृतिक कार्यक्रम व लोक कला की होगी शानदार प्रस्तुति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत महोत्सव के अवसर पर जिले में आज 2 नवम्बर रविवार से 4 नवंबर तक तीन दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया है। यह आयोजन यहां स्टेडियम ग्राउंड में संपन्न होगा, जिसमें छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, कला और परंपरा की मनमोहक झलक देखने को मिलेगी। कार्यक्रम का शुभारंभ 02 नवम्बर को महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य अतिथ्य में किया जायेग। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने सभी जिलेवासियों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि राज्य स्थापना का दिन बहुत हम सभी छत्तीसगढ़ वासियो के लिए बहुत विशेष है। हमारे राज्य ने 25 वर्ष पूर्ण किये है। उन्होंने कहा उनकी मनोकामना है कि सभी की सहभागिता से प्रदेश व जिला सूरजपुर निरंतर विकास की दिशा में आगे बढ़े और सुशासन व समृद्धि का प्रतीक बने। इस तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम में सरगुजा संभाग के लोकप्रिय कलाकार एवं गायक अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां देंगे। 02 नवंबर गायिका सुश्री स्तुति जायसवाल, 03 नवंबर को गायक श्री संजय सुरीला, और 04 नवंबर को गायक श्री सुनील मानिकपुरी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे । इसके साथ ही अन्य सांस्कृत कार्यक्रम राजत्सवों की शोभा बढ़ाएंगे।

युद्ध स्तर पर की जा रही राज्योत्सव की तैयारियां

राज्योत्सव की तैयारियों अपने अंतिम चरण में है। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उपस्थिति संबंधित अधिकारियों से उनके सौपें गये दायित्वों की अद्यतन स्थिति के बारे में जानकरी ली। विभागीय स्टॉलों का क्रमवार निरीक्षण किया। सम्पूर्ण मंचीय व्यवस्था, दर्शकों की बैठक व्यवस्था, सुगम पार्किंग और एन्ट्री गेट की व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए, कार्यक्रम के नोडल जिला पंचायत सीइओ विजेन्द्र पाटले को कार्यक्रम की तैयारीयां निर्धारित समय सीमा के पूर्व सुनिश्चित करने का निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टर ने राज्योत्सव के सफल आयोजन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

छत्तीसगढ महतारी'' के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कलेक्टर ने दी जिलेवासियों को बधाई

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर कलेक्टर एस. जयवर्धन ने जिला संयुक्त कार्यालय में छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर कलेक्टर श्री जयवर्धन एवं जिला पंचायत सीईओ बिजेंद्र पाटले ने जिलेवासियों को राज्य स्थापना की बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कलेक्टर ने राज्य के गठन के बाद से अब तक की उपलब्धियों और प्रगति को रेखांकित किया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत विजेंद्र पाटले सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

पीएम आवास योजना के हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

दतिमा मोड़। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना रजत जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण लाभार्थियों के लिए भैयाथान विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत राई में गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में जनपद सदस्य प्रतिनिधि चंदर सिंह तथा ग्राम पंचायत सरपंच पति साय,सींगों बाई, चंद कुमारी, बुधराम, बृजलाल, अतवारो, नानबाई दुलारी को पक्के मकान का गृह प्रवेश कराया।

इस दौरान जनपद सदस्य प्रतिनिधि चंदर सिंह ने बताया कि इस बीच हितग्राही व उनके परिवारों में खुशी की लहर दौड़ गई। प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य गरीब परिवारों को कच्चे मकान से मुक्त कर पक्के और सुरक्षित मकान उपलब्ध कराना है इस योजना के माध्यम से अब ग्रामीण क्षेत्र के सभी पात्र परिवार अपना पक्का घर प्राप्त कर रहे हैं कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने लाभार्थियों को बधाई दी और योजना के महत्व को रेखांकित किया फिर हितग्राही ने भी पक्के मकान मिलने से उत्साह और संतोष व्यक्त किया।

कार्यालय कलेक्टर, जिला सूरजपुर एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व, एवं आपदा प्रबंधन विभाग

प्ररूप -V

(नियम 10 देखें)

अधिसूचना

क्रमांक 202403260500036 दिनांक 24.09.2025

जहां सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि लोक प्रयोजनार्थ भरदा ग्राम प्रतापपुर तहसील सूरजपुर जिला में कुल 0.454 हे. भूमि आपेक्षित है अर्थात

इसलिए घोषणा की जाती है कि उपयुक्त परियोजना के लिये अर्जन के अधीन एक भू-खंड है, जो 0.454 हे. है जो ग्राम भरदा तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर में है। धारा 19 के तहत यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि भरदा व्यपवर्तन योजना के नहर निर्माण हेतु आवश्यक है। जिसका विस्तृत ब्यौरा निम्नलिखित है।

क्र.	सर्वेक्षण संख्या	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन का क्षेत्र (हे. में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम और पता	उ.	द.	पू.	प.
1	865/1	भूमिस्वामी	एक फसली	0.006	धर्मजीत, प्रजापति, शोभा सिंह, सुखदेव पि. महादेव, शनियारो बेवा महादेव जाति गाँड़	ख.क्र. 865/1	ख.क्र. 865/1	ख.क्र. 867	ख.क्र. 864/1
	864/1	भूमिस्वामी	एक फसली	0.004		ख.क्र. 864/1	ख.क्र. 864/1	ख.क्र. 865/2	ख.क्र. 863
	901	भूमिस्वामी	एक फसली	0.016		ख.क्र. 901	ख.क्र. 901	ख.क्र. 886	ख.क्र. 902
	384	भूमिस्वामी	एक फसली	0.056		ख.क्र. 384	ख.क्र. 384	ख.क्र. 902	ख.क्र. 391/1
2	861	भूमिस्वामी	एक फसली	0.025	फुलकुंवर पि. पहलु, धरमपाल, दीरपाल, सत्यनारायण, मुलेसरी, सोनकेलिया पिता रामदेव, उत्तम, सूरज, रामबाई, चन्दा, कलावती पिता जगतपाल जाति गाँड़	ख.क्र. 861	ख.क्र. 861	ख.क्र. 863	ख.क्र. 881
3	886	भूमिस्वामी	एक फसली	0.011	हरिनन्दन, पूरन, अशोक आ. बहोरन, महेश्वरी बेवा बहोरन, सुन्दरी पुत्री बहोरन	ख.क्र. 886	ख.क्र. 886	ख.क्र. 903	ख.क्र. 901
4	902	भूमिस्वामी	एक फसली	0.019	सुधरी बाई पत्नी भरत सिंह जाति गाँड़	ख.क्र. 902	ख.क्र. 902	ख.क्र. 901	ख.क्र. 384
5	391/1	भूमिस्वामी	एक फसली	0.025	भरत सिंह आ. हुबलाल	ख.क्र. 391/1	ख.क्र. 391/1	ख.क्र. 384	ख.क्र. 391/2
6	391/2	भूमिस्वामी	एक फसली	0.004	भगमनिया पत्नी शोभनाथ जाति गाँड़	ख.क्र. 395	ख.क्र. 391/1	ख.क्र. 391/1	ख.क्र. 395
7	395	भूमिस्वामी	एक फसली	0.006	किशमेत पति परदेशी, झनकराम पति जीवनलाल, शोभनाथ पिता जीवलाल, श्यामनाथ पिता परदेशी जाति गाँड़	ख.क्र. 379	ख.क्र. 391/2	ख.क्र. 391/2	ख.क्र. 395
8	377/1	भूमिस्वामी	एक फसली	0.037	सुखराम, सुलन आ. शीलू, बालम पिता शिवचरन, मुन्ना, गिराजा आ. ननका, महरजिया बेवा ननका, शिवप्रसाद, रामप्रसाद पिता धीरन, मु. गेंदी बेवा घासी, बुधनी बेवा सबल, शिवशंकर आ. ननका	ख.क्र. 377/2	ख.क्र. 380	ख.क्र. 376	ख.क्र. 371/2
9	377/2	भूमिस्वामी	एक फसली	0.010	जयमंगल, रामदेव, शंकर पिता शिवनाथ, जीतेन्द्र पिता महेन्द्र जाति गाँड़	ख.क्र. 372/1	ख.क्र. 377/1	ख.क्र. 377/2	ख.क्र. 377/2
	969/2	भूमिस्वामी	एक फसली	0.035		ख.क्र. 974	ख.क्र. 970	ख.क्र. 972/1, 972/2, 972/3, 971	ख.क्र. 969/2
10	372/1	भूमिस्वामी	एक फसली	0.010	पवनसाय आ. लंगरा जाति गाँड़	ख.क्र. 372/2	ख.क्र. 377/2	ख.क्र. 372/1	ख.क्र. 372/1
11	372/2	भूमिस्वामी	एक फसली	0.010	कवलसाय आ. लंगरा जाति गाँड़	ख.क्र. 372/3	ख.क्र. 372/1	ख.क्र. 372/2	ख.क्र. 372/2
12	372/3	भूमिस्वामी	एक फसली	0.008	ना.बा. केश्वर पिता सियाराम, बिगनी पति सियाराम, हरिराम पिता सवालसाय जाति गाँड़	ख.क्र. 372/2	ख.क्र. 372/3	ख.क्र. 372/3	ख.क्र. 372/3
13	98	भूमिस्वामी	एक फसली	0.048	ठाकुर पिता गुनजन जाति गाँड़	ख.क्र. 98	ख.क्र. 98	ख.क्र. 98	ख.क्र. 98
14	907	भूमिस्वामी	एक फसली	0.033	उमाशंकर पिता भरत सिंह जाति गाँड़	ख.क्र. 910	ख.क्र. 881	ख.क्र. 907	ख.क्र. 907
15	947	भूमिस्वामी	एक फसली	0.024	जयराम, पिता बसंत, कृष्णा पिता रामनाथ, नंदू, पिता रामनाथ, हिरासाय पिता सुभान, मु. सुखमेन बेवा रामनाथ, रामशरण पिता अघनू, रामसिंह पिता अघनू, मोतीलाल पिता अघनू, मु. भगमेन बेवा अघनू, रामगोपा पिता शोभित, जयकरन पिता शोभित, मु. सुधियारो बेवा अघनू, मु.धनियारो बेवा शोभित, बुधियारो पिता मानसाय, रजिन्दर पिता धरमपाल, मु.ननकी बेवा धरमपाल जाति गाँड़	ख.क्र. 952	ख.क्र. 944	ख.क्र. 944	ख.क्र. 947
16	956	भूमिस्वामी	एक फसली	0.024	रामशरण, मोतीलाल पिता अघनु जाति गोड़	ख.क्र. 952	ख.क्र. 963	ख.क्र. 961, 960, 956	ख.क्र. 956
17	961	भूमिस्वामी	एक फसली	0.004	घांसी पिता जितू	ख.क्र. 960	ख.क्र. 963	ख.क्र. 961	ख.क्र. 956
	970	भूमिस्वामी	एक फसली	0.008		ख.क्र. 969/2	ख.क्र. 963	ख.क्र. 970	ख.क्र. 970
	974	भूमिस्वामी	एक फसली	0.006		ख.क्र. 1150/1	ख.क्र. 969/2	ख.क्र. 974	ख.क्र. 974
18	963	भूमिस्वामी	एक फसली	0.006	देवतरन पिता गड़गड़हा जाति गोंड़	ख.क्र. 970	ख.क्र. 956	ख.क्र. 961, 963	ख.क्र. 963
19	1150/1	भूमिस्वामी	एक फसली	0.019	सुन्नी पिता बचन जाति गोंड़	ख.क्र. 1149	ख.क्र. 974	ख.क्र. 1150/1	ख.क्र. 1150/1

वृक्ष	
किस्म	संख्या
निरंक	निरंक

संरचनाएं	
प्रकार	प्लिंथ एरिया
निरंक	निरंक

यह घोषणा हितबद्ध व्यक्तियों के आक्षेपों को सुनने और भूमि अर्जन पुर्नवासन एवं पुर्नव्यस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पादर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (2013 का 30) की धारा 15 में यथा उप बंधित सम्यक जांच करने के पश्चात् की गई है। भूमि अर्जन के कारण पुर्नव्यवस्थापन के लिए संभावित कुटुम्ब की संख्या निरंक है।

ग्राम भरदा तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर अन्तर्गत रकबा 0.454 हे. भूमि के या उक्त भूमि के किसी भाग में पेड़ कोयला, लौह पत्थर, स्लेट या अन्य खनिजों की खाने नहीं हैं। खान एवं खनिज के ऐसे भागों में जिन्हें उस प्रयोजन जिसके लिये भूमि अर्जित किया जा रहा है कि परियोजना के निर्माण के दौरान खोदे जाने या हटाये या उपयोग किये जाने की अपेक्षा है, अर्जन लोलकी जलाशय योजना के नहर एवं डुबान क्षेत्र हेतु किया जा रहा है।

जिला भूमि अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) प्रतापपुर के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

संलग्नः- यथोक्त ।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
एवं भू-अर्जन अधिकारी
प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

(एस. जयवर्धन)
कलेक्टर
जिला-सूरजपुर
एवं पदेन उप सचिव छ.ग. शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी-252604455/1

राज्योत्सव पर जिले के 14033 हितग्राहियों ने अपने नए पीएम आवास में किया प्रवेश

0 कलेक्टर ने सौंपी केशवनगर के रंजीत को सांकेतिक खुशियों की चाबी, प्रशस्ति पत्र एवं उपहार 0 8110 हितग्राहियों को जारी की गई 28.662 करोड़ की राशि

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शनिवार को राज्य स्थापना दिवस के 25 वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से राज्य के 3.51 लाख हितग्राहियों का गृह प्रवेश एवं 3 लाख परिवारों के हितग्राहियों को प्रथम किस्त की राशि का सीधे उनके खातों में हस्तांतरित किया गया।

उक्त परिपालन में राज्य शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देश एवं सीईओ जिला पंचायत विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में हाल में निर्मित हुए, जिले के 14033 हितग्राहियों के आवासों का गृह प्रवेश का कार्य एवं 8110 हितग्राहियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ किस्त मिलाकर कुल 28.662 करोड़ की राशि सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की गई। कलेक्टर एस जयवर्धन एवं सीईओ जिला पंचायत विजेंद्र सिंह पाटले द्वारा सूरजपुर जनपद के ग्राम पंचायत केशवनगर के हितग्राही रंजीत सिंह आत्मज शैलेन्द्र सिंह को सांकेतिक रूप से खुशियों की चाबी, प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर गृह प्रवेश कराया गया तथा कलेक्टर द्वारा जिले के समस्त हितग्राहियों से जल्द आवास बनाने, ग्राम पंचायत में स्वच्छता एवं घर ने डिलीवरी नहीं कराने की अपील की है। जिले के अन्य जनपद पंचायत भैयाथान में 3253, ओड़गी में 2933, प्रतापपुर में 1437, प्रेमनगर में 2153, रामानुजनगर में 1008 एवं सूरजपुर में 3249 इस प्रकार कुल 14033 हितग्राहियों के गृह प्रवेश जिले व जनपद पंचायतों के अधिकारी कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों एवं हितग्राही व ग्रामीणजन की उपस्थिति में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इसके लिए सभी ग्राम पंचायतों के लिए एक एक नोडल की नियुक्त करते हुए, मॉनिटरिंग के लिए एक एक सेक्टर ऑफिसर भी बनाए गए है। विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार भैयाथान में 5.90 करोड़, ओड़गी में 6.10 करोड़, प्रतापपुर में 8.19 करोड़, प्रेमनगर में 2.2 करोड़, रामानुजनगर में 1.04 करोड़ एवं सूरजपुर में 5.23 करोड़ अर्थात् कुल 28.662 करोड़ जारी किए गए। एकादशी एवं राज्य के 25 वीं वर्षगांठ के इस खास दिन पर हितग्राहियों का अपने घर में प्रवेश करना उनके जीवन में खुशियां एवं समृद्धि लाने के लिए एक संकल्प है। आवास के साथ साथ हितग्राहियों को अभिसरण के तहत् अन्य महत्वपूर्ण एवं बुनियादी सुविधाएं भी मुहैया कराया जा रहा है। हितग्राही जैसे ही निर्धारित स्तर का निर्माण पूर्ण करता है उसे तत्काल अगली किस्त प्रदान की जा रही है। हितग्राही किसी के बहकावे में आए बिना, स्वयं से मिस्त्री लेकर आवास का निर्माण तत्काल पूर्ण कराए। सुकिल राम, सचिव देवनारायण राजवाड़े, बरौल सरपंच प्रतिनिधि सरवन सिंह, उपसरपंच प्रतोष कुमार, बीएफटी भारत राजवाड़े, नारायण कुमार, पंछी लाल, रामेश्वर पैकरा, ओमप्रकाश पैकरा, बुल्टू पैकरा सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे कार्यक्रम की शुरुआत पूजा और जरा से हुई इसके बाद फीता काटकर हितग्राही धरम

रामानुजनगर में खुला प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र

दवाइयों के खर्च से मिल रही लोगों को बड़ी राहत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के तहत रामानुजनगर में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की शुरुआत होने से आम जनता को दवाइयों के खर्च में बड़ी राहत मिली है। इस केंद्र के खुलने से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को अब महंगी दवाइयों पर हजारों रुपये खर्च नहीं करने पड़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू की गई यह योजना देशभर में गुणवत्तापूर्ण और सस्ती दवाइयां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। रामानुजनगर में खुले इस केंद्र से मिलने वाली दवाइयां भारत सरकार द्वारा प्रमाणित हैं और नामी दवा कंपनियों से आती हैं। यहां मिलने वाली जेनेरिक दवाइयां उन्हीं रासायनिक संघटनों से बनी होती हैं जिनसे महंगी ब्रांडेड दवाइयां तैयार की जाती हैं। फर्क सिर्फ नाम और कीमत का है, असर दोनों का समान रहता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पहले जहां एक महीने की दवा पर दो से तीन हजार रुपये खर्च करने पड़ते थे, वहीं अब वही दवाएं जन औषधि केंद्र से मात्र तीन सौ से चार सौ रुपये में मिल जाती हैं। इस वजह से मरीजों को बड़ी आर्थिक राहत मिली है। केंद्र में ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हृदय रोग, एलर्जी, जोड़ों के दर्द, बुखार, संक्रमण और पेट की बीमारियों की दवाइयां आसानी से मिल जाती हैं। इसके अलावा इंजेक्शन, सिरप, मलहम, आई ड्रॉप, एंटीबायोटिक और विटामिन जैसी आवश्यक दवाएं भी सस्ते दर पर उपलब्ध हैं।

केंद्र के फार्मासिस्ट विकास दुबे ने बताया कि यहां मिलने वाली सभी दवाइयां सरकार द्वारा जांची और अनुमोदित हैं। कई कंपनियां वही दवाइयां ब्रांड नाम से महंगे दामों पर बेचती हैं, जबकि जन औषधि केंद्र वही दवा कम दाम पर उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि अब लोग समझने लगे हैं कि सस्ती दवा का मतलब घटिया दवा नहीं होता। स्थानीय नागरिकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस केंद्र के खुलने से रामानुजनगर के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ी राहत मिली है। यह योजना आम जनता के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला रही है और लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
जल संसाधन संभाग, सूरजपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(निविदा निरस्तीकरण सूचना)

इस कार्यालय के निविदा सूचना क्र. 01/वलेलि/2025-26/ दिनांक 22.05.2025 सिस्टम निविदा क्र 168842 (प्रथम आमंत्रण) द्वारा विज्ञापन क्र. जी. 252601236 के माध्यम से जूर के गोबरी नदी पर बाढ़ नियंत्रण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई थी। उक्त निविदा में एकल निविदा की स्थिति निर्मित हुई है।

अतः मुख्य अभियंता, हसदेव गंगा कछार जल संसाधन विभाग अंबिकापुर के पत्र क्र. सा-1-16/निविदा का 2025-26/3212 दिनांक 10.10.2025 के परिपालन में उक्त प्रथम आमंत्रित ऑनलाईन निविदा को एतद् द्वारा निरस्त किया जाता है।

कार्यपालन अभियन्ता
जल संसाधन संभाग
सूरजपुर (छ.ग.)

जी-252604430/3

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

"प्रगति के पथ पर अग्रसर खुशहाल छत्तीसगढ़"
छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एवं
रजत जयंती वर्ष की समस्त प्रदेशवासियों को
छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प
छत्तीसगढ़ राज्योत्सव छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस
बधाई...शुभकामनाएं...

श्यामबिहारी जायसवाल
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, छ.ग. शासन
सौजन्य: स्वास्थ्य विभाग परिवार, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

"प्रगति के पथ पर अग्रसर खुशहाल छत्तीसगढ़"
छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एवं
रजत जयंती वर्ष की समस्त प्रदेशवासियों को
बधाई... शुभकामनाएं...

भुलन सिंह मराबी
विधायक, प्रेमनगर विधानसभा

"प्रगति के पथ पर अग्रसर खुशहाल छत्तीसगढ़"
छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एवं
रजत जयंती वर्ष की समस्त प्रदेशवासियों को
बधाई... शुभकामनाएं...

रितेश गुप्ता
पूर्व प्रदेश महामंत्री भाजयुमो
पूर्व उपाध्यक्ष, नपाप सूरजपुर

"प्रगति के पथ पर अग्रसर खुशहाल छत्तीसगढ़"
छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एवं
रजत जयंती वर्ष की समस्त प्रदेशवासियों को
बधाई... शुभकामनाएं...

दीपक गुप्ता
जिलामंत्री, भाजपा सूरजपुर
पूर्व उपाध्यक्ष, जपं रामानुजनगर

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एवं
रजत जयंती वर्ष की समस्त प्रदेशवासियों को
बधाई एवं शुभकामनाएं...

कुसुमलता राजवाड़े
अध्यक्ष
नगर पालिक परिषद सूरजपुर

शैलेष अग्रवाल
उपाध्यक्ष
नगर पालिक परिषद सूरजपुर

सौजन्य: नगर पालिक परिषद सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

"प्रगति के पथ पर अग्रसर खुशहाल छत्तीसगढ़"
छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एवं
रजत जयंती वर्ष की समस्त प्रदेशवासियों को
बधाई... शुभकामनाएं...

इंद्रमणी पैंकरा
अध्यक्ष
जनपद पंचायत ओड़गी

सुधा देवी तिवारी
उपाध्यक्ष
जनपद पंचायत ओड़गी
सौजन्य: जनपद पंचायत ओड़गी, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर